अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 212 लखनऊ, मंगलवार, 17 फरवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X हुआ डाउन, भारत समेत दुनियाभर के लाखों यूजर परेशान

नई दिल्ली,। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स-X (पहले ट्विटर) सोमवार शाम से अचानक से डाउन हो गया। भारत समेत कई देशों में यूजर्स ने शिकायत की कि वे ना तो पोस्ट देख पा रहे हैं और ना ही नए अपडेट शेयर कर पा रहे हैं। भारत समेत दुनियाभर के लाखों यूजर X के डाउन होने से परेशान हैं। डाउनडिटेक्टर डॉटकॉम के अनुसार शाम 6 बजकर 53 मिनट पर 52 फीसदी ऐप यूजर्स को इस तकनीकी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था, जबकि फीड और टाइमलाइन अपलोडिंग में 21 फीसदी यूजर्स को परेशानी हो रही थी। इसके अलावा लगभग 17 फीसदी यूजर्स ने एक्स की वेबसाइट पर टेक्निकल दिक्कत की बात रिपोर्ट की है।

कक्षा 10 की पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल होना सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य : सीबीएसई

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने वर्ष 2026 से कक्षा 10 में लागू की जा रही दो बोर्ड परीक्षा प्रणाली के संबंध में विस्तृत स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल होना सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा। इसे किसी भी स्थिति में छोड़ा नहीं जा सकता। बोर्ड ने 14 फरवरी को जारी अधिसूचना में कहा कि उसे कुछ अनुरोध प्राप्त हुए थे, जिनमें यह मांग की गई थी कि यदि कोई छात्र किसी कारणवश पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो पाता है, तो उसे सीधे दूसरी बोर्ड परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए। इस पर सीबीएसई ने अपनी नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि दूसरी परीक्षा, पहली परीक्षा का विकल्प नहीं है, बल्कि यह प्रदर्शन सुधार और पात्र श्रेणियों के लिए अतिरिक्त अवसर है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता देश के किसानों के लिए खतरा: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते से देश के किसानों और जैविक विविधता पर सीधा खतरा बताया। पार्टी ने कहा कि खेती, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार की शर्तें, ये तीन सबसे अहम मुद्दे हैं, जिन पर सरकार ने देशहित को दांव पर लगा दिया है। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि छह फरवरी को जारी हुई रूपरेखा अंतरिम समझौते के पहले ही बिंदु में यह तय किया गया है कि भारत अमेरिका से खाद्य और कृषि उत्पादों का आयात बिना किसी शुल्क के करेगा। यह भारतीय किसानों की आजीविका पर सीधा हमला है।

भाजपा ने उपद्रव प्रदेश को उत्सव प्रदेश में बदला : मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- विधान परिषद में बजट सत्र में मुख्यमंत्री योगी ने गिनाई उपलब्धियां
- समाजवादी पार्टी पर किए चुन चुन कर प्रहार, कहा-ये अराजकता की पक्षधर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान परिषद में बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर पेश धन्यवाद पर चर्चा करते हुए समाजवादी पार्टी पर जमकर प्रहार किए। उन्होंने सपा को संवैधानिक मूल्यों, भारतीय संस्कृति और आस्था का अपमान करने वाली सिर्फ अपने परिवार को विकास करने वाली पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के पहले पैदा की गई अराजकता व अव्यवस्था को खत्म कर भाजपा ने उत्तर प्रदेश को उपद्रव प्रदेश को उत्सव प्रदेश में बदल दिया और अब यहां विकास की त्रिवेणी हैं।

विधान परिषद में मुख्यमंत्री योगी ने विधानमंडल के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण का विरोध करने पर मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी को जमकर खरी खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि राज्यपाल प्रदेश की संवैधानिक प्रमुख हैं और उनका अभिभाषण प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं का दस्तावेज होता है, लेकिन सपा ने जिस तरह का आचरण किया वह न केवल संवैधानिक प्रमुख बल्कि नारी शक्ति का अपमान है और यह अवमानना के दायरे में आता है। मुख्यमंत्री ने सपा सदस्यों को सीख देते हुए कहा कि वे ऐसा आचरण न करें जिससे भावी पीढ़ी गलत दिशा में अग्रसर हो। हालांकि सपा ?से प्रदेश की विकास और संवैधानिक मूल्यों की अपेक्षा करना भी बेवकूफी होगी क्योंकि विपक्ष का दृ?ष्टिकोण हमेशा से नकारात्मक ही रहता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनके साढ़े आठ साल की सरकार में उत्तर प्रदेश ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें अपराध से कानून की ओर कदम बढ़ाया है, उपद्रव से उत्सव प्रदेश बना है। समस्या से समाधान और अविश्वास से विश्वास की यात्रा है और यह यात्रा इसलिए कि प्रदेश की 25 करोड़ जनता को उसका हक मिलना था, लेकिन संकुचित एजेंडे वाली सरकारों ने प्रदेश की जनता से खिलवाड़ किया और जब डबल इंजन की सरकार बनी तो प्रशासनिक प्रतिबद्धता से प्रदेश के विकास की रफ्तार तेज हुई ओर आज हम कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश के राजस्व सरप्लस राज्य बन चुका है।

मुख्यमंत्री योगी ने सदन में कहा कि समाजवादी पार्टी तो बजट के बारे में अच्छा नहीं बोल पाई क्योंकि उनके पास कुछ अच्छा है नहीं; सपा जातीय संघर्षों को बढ़ावा देती है। आपस में लड़ाती है। आस्था को अपमानित करती है। संवैधानिक मूल्यों पर भी प्रहार करने वाली पार्टी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर भारत निर्वाचन आयोग करवा रहा है। इसमें सरकारों का रोल नहीं होता है। इस अभियान में उत्तर प्रदेश में 2 करोड़ 88 लाख लोग या तो मृत पाए गए, या शिफ्टिंग किए गए। सपा इन्हें फर्जी वोट बनाकर मतदान कराती थी। तभी फार्म-7 के नाम पर फर्जी बातें करती है। इनके कार्यकर्ता बीएलओ के साथ मारपीट कर रहे हैं। ये सांविधानिक मूल्यों का अपमान है। ये किसी भी प्रकार स्वीकार नहीं हो सकता है।

मुख्यमंत्री योगी ने पीडीए की चर्चा करते हुए कहा कि पहली की सरकारों का विकास परिवारवादी था। उन्होंने जेपीएनआईसी का उदाहरण देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि यह 800 करोड़ खर्च हो गए वह फिर भी अधूरा है। हमने जेपी के जन्मभूमि पर अस्पताल बनवाया।1400 करोड़ खर्च हो गए, फिर भी गोमती रिवर फ्रंट का प्रोजेक्ट अधूरा है, यह महज 300 करोड़ का प्रोजेक्ट था। जय प्रकाश नारायण और लोहिया के नाम पर सिर्फ राजनीति करते हैं।

बजट सत्र : विधानसभा में राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पारित, भदोही एवं शाहजहांपुर में बनेंगे विश्वविद्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 में योगी सरकार ने उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026 तथा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित करा लिया। सदन में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत दोनों विधेयक बहुमत से पारित हुए। सदन में प्रस्ताव रखते हुए उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य उच्च शिक्षा को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाना है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और एकात्म मानववाद के दर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम मानकर कार्य कर रही है। योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण, पिछड़े और वंचित क्षेत्रों तक विश्वविद्यालय पहुंचाने की दिशा में लगातार ठोस निर्णय लिए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके। मंत्री उपाध्याय ने बताया कि संशोधन विधेयक के तहत ज्ञानपुर, जनपद भदोही स्थित काशी नरेश स्नातकोत्तर महाविद्यालय को उन्नत कर विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे आसपास के 23 महाविद्यालयों का संबद्धीकरण संभव होगा और क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, शोध और नवाचार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

उप्र, हरियाणा, पंजाब को जिला, ब्लॉक स्तर पर 'पराली सुरक्षा बल' गठित करने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। गेहूं की पराली जलाने पर रोक के लिए वायु प्रबंधन गुणवत्ता आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली से सटे राज्यों को सोमवार को व्यापक वैधानिक निर्देश जारी किए। आयोग ने इन राज्यों को जिला और ब्लॉक स्तर पर पुलिस, कृषि एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित ह्लपराली सुरक्षा बलङ्क के गठन का निर्देश दिया है। सीएक्यूएम के मुताबिक यह निर्देश पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश सरकार को जारी किया गया है, जबकि दिल्ली और राजस्थान से भी सहयोगात्मक प्रयासों में मदद करने के लिए कहा गया है। इन निर्देशों के तहत राज्यों को जिला और ब्लॉक स्तर पर पुलिस, कृषि एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित ह्लपराली सुरक्षा बलङ्क के गठन का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा है कि कृषि अवशेष जलाने से स्थानीय स्तर पर तथा एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित होती है, इसलिए इसके लिए संगठित मौसमी तैयारी आवश्यक है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित मानक प्रोटोकॉल के अनुसार एक अप्रैल से 31 मई 2025 के बीच गेहूं कटाई सीजन में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों में क्रमशः 10207, 1832 और 259 आग की घटनाएं दर्ज की गईं। उपग्रह आधारित निगरानी से स्पष्ट हुआ कि धान सीजन के साथ-साथ गेहूं सीजन में भी लक्षित हस्तक्षेप आवश्यक है।आयोग ने पहले संबंधित राज्यों को फसल अवशेष जलाने की रोकथाम एवं उन्मूलन के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान की थी और राज्य-विशिष्ट कार्ययोजनाएं तैयार करने को कहा था।

भारत कृत्रिम मेधा से आ रहे बदलाव के क्षेत्र में अग्रणी है: मोदी

- मोदी ने किया इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो का उद्घाटन, देखी तकनीक की झलक

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यहां भारत मंडपम में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में स्थापित करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का आयोजन 16 से 20 फरवरी तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ किया जा रहा है। इस में दुनिया भर के नीति-निर्माता, उद्योग प्रतिनिधि, शोधकर्ता, स्टार्टअप और वैश्विक प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं ताकि विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी क्षमता पर विचार किया जा सके। एक्सपो में अग्रणी भारतीय और वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों, एआई स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, विनिर्माण, जलवायु कार्रवाई और जनसेवा वितरण जैसे क्षेत्रों में एआई आधारित अनुप्रयोगों का प्रदर्शन किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, सम्मेलन में एआई नैतिकता, डेटा शासन, कौशल विकास, शोध सहयोग और नियामक ढांचे जैसे विषयों पर उच्चस्तरीय पैनल चर्चाएं होंगी। इसके अतिरिक्त, भारत की जवाबदेह एआई विकास योजना और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना में एआई के उपयोग पर विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

यह आयोजन सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत डिजिटल इंडिया, सेमीकंडक्टर निर्माण को बढ़ावा और देशभर में नवाचार केंद्रों के विस्तार जैसी पहलों के माध्यम से भारत को अग्रणी प्रौद्योगिकियों में सशक्त बनाया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि और उद्योग भागीदारों की भागीदारी के साथ, इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 साझेदारी मजबूत करने, निवेश आकर्षित करने और भारत तथा विश्व में एआई के भविष्य पर नीतिगत विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन रहा है।

रक्षा मंत्री का विमानन वैज्ञानिकों से 6वीं पीढ़ी की इंजन तकनीक विकसित करने का आह्वान

- लड़ाकू विमानों की तकनीक से सिविल एविएशन की दुनिया में भी आ सकती है क्रांति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में अभी तक फाइटर जेट के इंजन बनने की योजना परवान नहीं चढ़ने के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि हमें भविष्य की तरफ भी देखना होगा। अब हम सिर्फ 5वीं पीढ़ी के इंजन तक सीमित नहीं रह सकते, क्योंकि यह समय की मांग है। हमें 6वीं पीढ़ी की उन्नत तकनीकों का विकास भी जल्द से जल्द शुरू करना होगा। दुनिया में टेक्नोलॉजी बदल रही है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और नई सामग्रियों का प्रयोग बढ़ रहा है, हमें उनमें आगे रहना होगा।

रक्षा मंत्री सोमवार को बेंगलुरु में गैस टरबाइन रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नागरिक उड्डयन का विस्तार और भी तेजी से होगा। भारत तो वैसे भी दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ने वाले विमानन बाजारों में से एक है। ऐसे में भविष्य में नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयोग सीधे उपयोगी साबित होंगे। जब हम डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और इंजन डेवलपमेंट की बात करते हैं, तो उसका महत्व सिर्फ सैन्य इस्तेमाल तक सीमित नहीं रहता। किसी भी कॉम्प्लेक्स टेक्नोलॉजी की सबसे बड़ी अहमियत उसके दूर तक फैलने वाले नतीजों में होती है।

रक्षा मंत्री ने विमानन क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिकों से कहा कि अब आप जो तकनीक लड़ाकू विमानों के लिए विकसित कर रहे हैं, वही तकनीक कल सिविल एविएशन की दुनिया में क्रांति ला सकती है। आप जो हाई टेम्परेचर सहने वाले कम्पोजिट मटीरियल बना रहे हैं, वे पावर प्लांट में या स्पेसशिप में भी काम आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी इंजन को विकसित करने में 25 साल लग रहे हैं, तो भारत की मौजूदा स्थिति हमारी रणनीतिक जरूरतें और हमारी महत्वाकांक्षाएं ऐसी हैं कि आप मान कर चलिए कि आपके 20 साल पहले ही खत्म हो चुके हैं और अब सिर्फ 5 साल ही आपके पास बचे हैं। यह कोई शॉक होने वाली या अचानक वाली बात नहीं है, यह एक चुनौती है। हमें इसी 5 साल में वो कर दिखाना है, जो दूसरे देश 20 साल में करते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि फिलहाल ब्रिटेन के साथ एयरो इंजन विकास के लिए संयुक्त अध्ययन किया जा रहा है, जो अच्छी पहल है। इसके अलावा फ्रांस के साथ भी एयरो इंजन के लिए हम राष्ट्रीय एयरो इंजन मिशन के तहत कार्य शुरू कर चुके हैं। फ्रांस और यूके दोनों ही देश एयरो इंजन तकनीक में बहुत आगे रहे हैं।

डीपफ़ेक और गलत सूचनाएं समाज की नींव पर हमला, तकनीकी कानूनी समाधान जरूरी : वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एआई इम्पैक्ट समिट से पहले डीपफ़ेक्स, गलत एवं भ्रामक सूचनाओं के प्रसारण पर कहा कि यह प्रवृत्ति समाज की नींव पर हमला है। समाज की नींव संस्थाओं के बीच विश्वास है। परिवार, सामाजिक पहचान और शासन जैसी संस्थाएं सदियों से समाज को जोड़कर रखती हैं, लेकिन डीपफ़ेक्स और भ्रामक सूचनाओं का तेजी से फैलना इन संस्थाओं के बीच विश्वास को कमजोर कर रहा है। वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो के उद्घाटन से पहले एक सत्र में कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एआई मॉडल और उनके निर्माता सभी को जिम्मेदारी लेनी होगी कि नई तकनीक विश्वास को मजबूत करे, न कि उसे तोड़े।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बंद किये गए 14 पर्यटन स्थल फिर से खोले जायेंगे

एजेंसी

श्रीनगर। पहलगाम हमले के बाद बंद किये गए 14 पर्यटन स्थल सोमवार को व्यापक सुरक्षा समीक्षा के बाद फिर से खोलने का फैसला लिया गया है। उपराज्यपाल ने कहा कि गहन सुरक्षा समीक्षा और चर्चा के बाद मैंने कश्मीर और जम्मू डिवीजनों में और अधिक पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने का आदेश दिया है जिन्हें एहतियाती उपाय के तौर पर अस्थायी रूप से बंद किया गया था। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अनुसार एहतियाती उपाय के तौर पर अस्थायी रूप से बंद किए गए पर्यटन स्थलों को तत्काल प्रभाव से फिर से खोला जाएगा। उनके अनुसार कश्मीर डिवीजन के 11 पर्यटन स्थलों बडगाम में यूसमर्ग, दूधपथरी, कोकरनाग में दांडीपोरा पार्क, शोपियां में पीर की गली, दुबजान और पदपावन, श्रीनगर में अस्तनपोरा, ट्यूलिप गार्डन, थजवास ग्लेशियर, गांदरबल में हंग पार्क और बारामूला में वुलर/वाटलैब को तत्काल फिर से खोला जाएगा। इसके अलावा जम्मू डिवीजन के 3 पर्यटन स्थल रियासी में देवी पिंडी, रामबन में महू मंगत और किश्तवाड में मुगल मैदान तुरंत खोले जाएंगे। कश्मीर डिवीजन के 3 स्थल गुरेज, अथवाटू और बंगस और जम्मू डिवीजन का 1 स्थल रामबन में रामकुंड बर्फ पिघलने के बाद फिर से खोले जाएंगे।इन स्थलों के फिर से खुलने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और उम्मीद है कि ये स्थल बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करेंगे।

नर्मदेश्वर-गंगेश्वर शिव मन्दिर में महाशिवरात्रि पूजन, दीपदान और रात्रि जागरण का भावपूर्ण आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जनपद कौशाम्बी की प्रसिद्ध नगर पंचायत पूरब-पश्चिम सरीरा के ग्राम पूरबशरीरा में 110 वर्ष पुराने नर्मदेश्वर-गंगेश्वर शिव मन्दिर में महाशिवरात्रि पूजन , दीपदान और रात्रि जागरण का भावपूर्ण आयोजन रविवार 15 फरवरी को संपन्न हुआ। मनोकामना पूर्ण करने वाले नर्मदेश्वर गंगेश्वर शिव मन्दिर की स्थापना संवत 1976 वैशाख कृष्ण पक्ष में तत्कालीन जमींदार मलकिन साहेब गंगा कुंवर द्वारा हुई थी । इस प्रसिद्ध मन्दिर में महाशिवरात्रि पर उत्सव की स्थापना वर्ष से ही परम्परा रही है परन्तु दीपदान और रात्रि जागरण की परम्परा अब से 20 वर्ष पूर्व मालकिन साहेब गंगा कुंवर के वारिसों की चौथी पीढ़ी में दिनेश कुमार गर्ग द्वारा शुरू की गयी जिसमें समस्त गर्ग (शुक्ल) परिवार और ग्रामवासी मनोयोग से शामिल होते हैं और रात्रि जागरण होता है। महाशिवरात्रि जागरण का बहुत बड़ा महत्व पुराणों में बताया गया है । श्रीमद्भगवद्गीता में भी भगवान कृष्ण ने अर्जुन से कहा कि '' या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी '' जो सबके लिए स्वप्नों भरी रात है उसमें संयमी भगवद्भक्त जागता है , भगवान का स्मरण करता है - शिवपुराण की कथा है कि एक आखेटक व्याध जंगल में बहुत सवेरे आखेट के लिए गया , शाम तक कोई पशु या पक्षी आखेट के लिए मिला नहीं तो वह और गहन वन में गया जहां भटक गया ।

संयोग से उस दिन महाशिवरात्रि थी और वह हिंसक पशुओं से रक्षा के लिए रात के अन्धेरे में बेल के पेड़ पर चढ़ गया । यह भी संयोग था कि बेल का वृक्ष किसी प्राचीन टूटे फूटे शिव मंदिर के शिवलिंग के पास उग आया था ।

आखेटक व्याध भूखा-प्यासा उस रात उसी बेल पर जागते पूरी रात बैठा रह गया केवल हिंसक पशुओं से रक्षा हेतु अपने प्राणों के लिए। उसके पैरों से बेल की पत्तियां टूट कर शिवलिंग पर रात में कई बार गिरीं । सुबह जब वह पेड़ से उतरा तो शिवलिंग को देखकर प्रणाम किया जिससे प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने आखेटक को दर्शन दे उसको भुक्ति और मुक्ति दोनों प्रदान की। यह भी कि वाराणसी में महाशिवरात्रि को भगवान शंकर और जगदम्बा पार्वती के विवाह का दिन माना जाता है ।

एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने सदन में उठाया मॉडीफाइड साइलेंसरों का मुद्दा, कहा-सख्त कार्यवाही की जरूरत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने नियम 115 के अंतर्गत मॉडीफाइड साइलेंसरों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इससे जहां एक ओर वायु प्रदूषण हो रहा है, वहीं ध्वनि प्रदूषण को भी ये बढ़ावा दे रहे है इसलिए सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये प्रभावी कार्यवाही की जरूरत है।

विधान परिषद में भाजपा के विजय बहादुर पाठक ने मॉडीफाइड साइलेंसरों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि राज्य में सुलभ और व्यवस्थित यातायात के प्रति संजीदा योगी सरकार दुर्घटनाओं को रोकने/कम करने में कामयाब हुई है, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्यवाही हुई है। इन सबके बावजूद कभी-कभी तेज रफ्तार से आवाज करते हुई बाइक अगल बगल से निकल जाती हैं। बाइक के साइलेंसर की आवाज इतनी कानफाडू होती है कि आदमी घबरा जाता है। देखते-देखते बाइक आंखों के सामने से ओझल हो जाती है। ऐसा नजारा राज्य के अलग-अलग जनपदों में देखने को मिल रहा है। बाइकर्स गैंग और बाइकों के शौकीन लोग नियमों को ताक पर रखकर आम लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ये लोग मूल सालेंसर हटाकर मॉडीफाइड साइलेंसर लगाते हैं। कई बार तो ये मॉडीफाइड साइलेंसर बुलट और पटाखे जैसे आवाज निकालते हैं। मोटर एक्ट के तहत ये मॉडीफाइड साइलेंसर लगाना नियम के विरूद्ध है, इस संबंध उच्च न्यायालय ने जनहित याचिका में निर्धारित ध्वनि मानक 80 डेसिबल से अधिक ध्वनि निकलने पर ऐसे वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उस क्रम में 28 जुलाई 2021 को परिवहन आयुक्त ने विभाग के सभी अधिकारियों को अपने अधिक्षेत्र मे संचालित ऐसे ध्वनि प्रदूषण करने वाले वाहनों के विरूद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही के निर्देश दिये। तत्समय बड़े पैमाने पर कार्यवाही भी हुई, लेकिन ढिलाई होने से जनपदों में ऐसे वाहनो की संख्या बढ़ी है। ऐसे में जहां से ये साइलेंसर मॉडीफाइड किये जाते है वहां भी कड़ाई किये जाने की आवश्यकता है।

विधानसभा में गूंजा निजी अस्पतालों की मनमानी और आशा बहुओं का मुद्दा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान सोमवार को निजी अस्पतालों की कथित मनमानी का मुद्दा जोर-शोर से उठा। समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य अतुल प्रधान ने सरकार से सवाल किया कि निजी अस्पतालों पर नियंत्रण के लिए क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं और मरीजों से मनमाने शुल्क वसूलने की शिकायतों पर क्या कार्रवाई की गई है। इस पर जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने विपक्ष पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के सदस्य अब भी अपना चश्मा नहीं बदल पा रहे हैं और पूर्ववर्ती सरकार के नजरिए से ही वर्तमान व्यवस्था को देख रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार निजी अस्पतालों की अनियमितताओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है और किसी को भी मनमानी की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाठक ने बिना नाम लिए यह भी कहा कि कुछ लोग अस्पतालों से उगाही के चक्कर में लगे हुए हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले यूपी के दलितों को साधने में जुटी भाजपा, बनाया यह प्लान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सत्ता बरकरार रखने की कवायद में जुटी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दलित मतदाताओं को लेकर विशेष रणनीति तैयार की है। सूत्रों ने बताया कि भाजपा नेताओं को बसपा प्रमुख मायावती के खिलाफ न बोलने की सलाह दी गई है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ क्षेत्रों में दलित वोटों के खिसकने के संकेत मिलने के बाद पार्टी ने सामाजिक समीकरणों पर नए सिरे से काम शुरू किया है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार, भाजपा की रणनीति के केंद्र में दलित महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि के अवसर पर व्यापक आयोजन कर समाज के विभिन्न वर्गों से सतत संवाद स्थापित करना है। पदाधिकारी ने बताया कि इसके लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार किया गया है, जिसमें डॉक्टर भीम राव आंबेडकर, ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, संत रविदास, बिरसा मुंडा, अहिल्याबाई होल्कर समेत करीब डेढ़ दर्जन महापुरुषों से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं। उद्देश्य है कि इन आयोजनों के माध्यम से दलित समाज के बीच पार्टी की पैठ और मजबूत की जा सके। भाजपा सूत्रों की मानें तो पार्टी संगठन को निर्देश दिए गए हैं कि बूथ स्तर तक कार्यकर्ता दलित बस्तियों में नियमित संपर्क बनाए रखें। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद, स्थानीय स्तर पर छोटी बैठकों का आयोजन और सामाजिक सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। भाजपा मानती है कि सामाजिक इंजीनियरिंग और प्रत्यक्ष संवाद के जरिए ही 2027 में मजबूत आधार तैयार किया जा सकता है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा ने बहुजन राजनीति की प्रमुख नेता मायावती पर सीधा हमला करने से परहेज की रणनीति अपनाई है। माना जा रहा है कि पार्टी नहीं चाहती कि दलित वोटों में किसी प्रकार की सहानुभूति की लहर पैदा हो। हालांकि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमले जारी रहेंगे, लेकिन मायावती के प्रति सार्वजनिक बयानबाजी में संयम बरता जाएगा। सूत्रों ने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अपेक्षित प्रदर्शन न मिलने के बाद भाजपा ने आत्ममंथन किया है। पार्टी मान रही है कि कुछ आरक्षित सीटों पर बेहतर प्रदर्शन के बावजूद कुल मिलाकर दलित मतों का पूर्ण समर्थन नहीं मिल सका। इसी पृष्ठभूमि में अब मिशन 2027 के तहत सामाजिक आधार को और व्यापक बनाने की कवायद शुरू की गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले महीनों में दलित समाज को लेकर राजनीतिक गतिविधियां और तेज होंगी। ऐसे में 2027 का चुनावी रण सामाजिक समीकरणों के इर्द-गिर्द ही सिमटता नजर आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

घाघरा घाट पुल पर मंडराता खतरा देखकर हाईकोर्ट में पीआईएल, एनएचएआई समेत तीन संस्थाओं को नोटिस जारी

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने घाघरा नदी के खस्ताहाल घाघराघाट पुल से जुड़ी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई), मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे और उत्तर प्रदेश राज्य ब्रिज कॉरपोरेशन को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट के एडवोकेट आशीष कुमार सिंह ने पुल की जर्जर हालत और संभावित खतरों को लेकर ये याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने संबंधित तीनों विभागों के अधिकारियों को 18 मार्च को पुल की विस्तृत रिपोर्ट के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया है। घाघराघाट पुल, बाराबंकी और बहराइच बॉर्डर पर एनएच-28 सी हाईवे पर बना है। ये मार्ग पूर्वी यूपी के गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती और बाराबंकी को राजधानी लखनऊ से जोड़ता है। इस पुल से रोजाना सैकड़ों वाहनों का आवागमन होता है। चूंकि इस वक्त पुल की हालत काफी खराब है। राजधानी को जोड़ने वाला यही एकमात्र मुख्य मार्ग है तो लोग मजबूरन जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता आशीष कुमार सिंह ने पुल की हालत और संभावित खतरों के दृष्टिगत एक जिम्मेदार नागरिक का परिचय दिया है। उन्होंने इस प्रकरण को सीधे तौर पर जनसुरक्षा एवं संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन एवं सुरक्षा का अधिकार मानते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया। उन्होंने हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के समक्ष दाखिल जनहित याचिका में पुल की संरचनात्मक कमजोरियों, आमजन की सुरक्षा पर मंडराते जोखिम तथा यातायात एवं आपातकालीन सेवाओं पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों को रेखांकित किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए चीफ जस्टिस की बेंच ने एनएचएआई, मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज और यूपी ब्रिज कॉरपोरेशन को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने संबंधित तीनों प्राधिकरणों को निर्देशित किया है कि इस मामले में विस्तृत निर्देशों के साथ कोर्ट में उपस्थित हों, ताकि पुल की वर्तमान स्थिति और प्रस्तावित सुरक्षा उपयों पर ठोस विचार किया जा सके। सनद रहे कि देश के अलग-अलग हिस्सों में जर्जर पुलों के ढहने की बड़ी दुर्घटनाएं सामने आती रही हैं, जिनमें जान-माल का काफी नुकसान होता रहा है। लेकिन घाघराघाट पुल को लेकर यहां जिस तरह से अदालत का रुख किया गया है, वो एक जिम्मेदार नागरिक का परिचय कराता है। कोर्ट के जरिये ही सही कम से कम इस पुल पर मंडराते खतरे से आम लोगों को बचाने की एक बेहतरीन पहल जरूर हुई है।

डिप्टी सीएम ने जनता दर्शन में सुनीं जन-समस्याएं

- जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: केशव

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज विधानसभा की कार्यवाही में सम्मिलित होने से पूर्व सरकारी आवास पर जनता दर्शन का आयोजन किया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए बड़ी संख्या में लोगों ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं और शिकायतें प्रस्तुत कीं। उपमुख्यमंत्री ने फरियादियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना। जनता दर्शन में मुख्य रूप से भूमि विवाद, पुलिस सहायता, स्वास्थ्य उपचार हेतु आर्थिक मदद और स्थानीय विकास कार्यों से संबंधित मामले सामने आए। अधिकारियों,डीएम, एसपी को फोन पर निर्देशित किया कि जनसमस्याओं का समाधान गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से किया जाए। सरकार जनता के द्वार है। किसी भी गरीब या असहाय व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जन-समस्याओं का निराकरण करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और जनता दर्शन का उद्देश्य शासन और जनता के बीच की दूरी को समाप्त करना है।

जेंडर-विषय कोड की त्रुटियों में सुधार, बोर्ड ने सभी छात्रों को परीक्षा में शामिल कराने के दिए निर्देश

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व परीक्षार्थियों के जेंडर कोड और विषय विवरण में पाई गई त्रुटियों को गंभीरता से लेते हुए सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों और क्षेत्रीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। परिषद के सचिव भगवती सिंह द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि परीक्षा 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो रही है और कई जनपदों से परीक्षार्थियों के जेंडर कोड तथा विषयों में त्रुटियों की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। सोमवार को बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने शासनादेश जारी कर स्पष्ट किया है कि जेंडर कोड में त्रुटि के कारण जिन छात्राओं के परीक्षा केंद्र अन्य विद्यालयों में आवंटित हो गए हैं, उन्हें उनके विद्यालय के स्वकेंद्र या उसी परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने की सुविधा सुनिश्चित की जाए, जहां उनके विद्यालय के अन्य छात्र परीक्षा दे रहे हैं। परिषद ने यह भी कहा है कि बालिका परीक्षार्थियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें अनावश्यक रूप से दूरस्थ केंद्रों पर परीक्षा देने के लिए बाध्य न किया जाए। परिषद के अनुसार, कई मामलों में प्रधानाचार्यों द्वारा ऑनलाइन विवरण अपलोड करते समय त्रुटियां हुई हैं। इन त्रुटियों के सुधार हेतु प्राप्त ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदनों का अभिलेखों के आधार पर सत्यापन कर आवश्यक संशोधन करने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे संशोधित विवरण की रिपोर्ट 20 मार्च 2026 तक परिषद मुख्यालय को उपलब्ध कराएं।

अंतरराज्यीय चोर गिरोह का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई इलाके में बंद घरों की रेकी कर चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने इस गिरोह के चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की एक एयर गन और अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 42,362 रुपये मूल्य के पीली धातु के जेवर बरामद किए हैं। इनमें अंगूठी, चेन, पेंडेंट, मंगलसूत्र, कान के टॉप्स,झाले, मांग टीका, हाथ फूल, गले का हार और चूड़ियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सफ़ेद धातु के जेवर जैसे चेन, कान के टॉप्स,झाले, गले का हार, पायल,पाजेब, अंगूठी, चार हाथ घड़ियां और दो मोतियों की माला भी मिली है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सोनू सिंह, शक्तिमान सिंह और सोनू कुमार साह उर्फ सोनू पहाड़ी के रूप में हुई है, जो बिहार के निवासी हैं। चौथा आरोपी बृजेश निषाद फतेहपुर जिले के खागा थाना क्षेत्र के किशनपुर रम सगरा का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, आरोपी सोनू सिंह पर पहले से नौ मुकदमे दर्ज हैं।

डीएम कार्यालय पर इंडो-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में सोमवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले किसानों ने जिला कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते में कृषि और दुग्ध उत्पादों को शामिल किए जाने की आशंका को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट ज्ञान चंद गुप्ता के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर कृषि हितों की रक्षा की मांग की। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष (पूर्वी उत्तर प्रदेश) प्रताप बहादुर ने कहा कि यदि व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी सेक्टर को शामिल किया गया तो इसका सीधा असर देश के छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 87 प्रतिशत किसान सीमांत श्रेणी में आते हैं। उनकी आजीविका खेती व पशुपालन पर निर्भर है। ऐसे में विदेशी उत्पादों की एंट्री से उनकी आय प्रभावित हो सकती है। ज्ञापन में कहा गया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और वहां की कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस के हालिया बयानों से यह संकेत मिलता है कि प्रस्तावित समझौते से अमेरिकी किसानों को लाभ पहुंच सकता है। संगठन ने आशंका जताई कि यदि अमेरिकी दुग्ध उत्पाद या मिल्क पाउडर भारतीय बाजार में बड़े पैमाने पर आया तो स्थानीय डेयरी व्यवसाय संकट में पड़ सकता है। किसान नेताओं ने कहा कि देश के कई हिस्सों में दूध पहले से ही कम कीमत पर बिक रहा है। ऐसे में विदेशी उत्पादों की आमद से बाजार दर और गिर सकती है, जिससे पशुपालकों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बताया। संगठन ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि प्रस्तावित इंडो-अमेरिका व्यापार समझौते में कृषि और पशुपालन क्षेत्र को शामिल न किया जाए। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी हुई तो देशभर में व्यापक आंदोलन छेड़ा जाएगा।

पालि साहित्य और बौद्ध दर्शन पर होगा मंथन, बीएचयू में जुटेंगे 8 देशों के विद्वान

- बीएचयू में 17 से 19 फरवरी तक अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन, 80 शोध-पत्रों पर होगी चर्चा
- भारत-एशिया बौद्ध संवाद को मजबूती देगा बीएचयू का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
- बौद्ध शिक्षा और पर्यटन को नई रफ्तार देगा सम्मेलनः जयवीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पालि एवं बौद्ध अध्ययन विभाग की ओर से 17 से 19 फरवरी तक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग और तोयो विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में होगा। इसका उद्देश्य पालि साहित्य, बौद्ध दर्शन, त्रिपिटक अध्ययन, अलग-अलग बौद्ध परंपराओं की तुलना, बौद्ध संस्कृति और विरासत, पांडुलिपि विज्ञान और आज के समय में बौद्ध विचारों की अहमियत जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा करना है। तीन दिनों में 80 चुने हुए शोध-पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में म्यांमार, कोरिया, श्रीलंका, नेपाल, कंबोडिया, जापान, थाईलैंड और वियतनाम समेत कई देशों के विद्वान, शोधकर्ता, प्रोफ़ेसर और विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे। तकनीकी सत्रों में पालि त्रिपिटक, अट्ठकथा परंपरा, बौद्ध तर्कशास्त्र, थेरवाद और महायान दर्शन, तुलनात्मक बौद्ध अध्ययन और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संवाद जैसे विषयों पर शोध-पत्र पढ़े जाएंगे।17 फरवरी को होने वाले उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. सिद्धार्थ सिंह कुलपति, नव नालंदा महाविहार होंगे। सत्र की अध्यक्षता प्रो. रवींद्र पंथ, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध कनफ़ेडरेशन करेंगे।19 फरवरी को ल समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. उमा शंकर व्यास, पूर्व निदेशक, नव नालंदा महाविहार करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. राजेश रंजन, कुलपति, केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान शामिल होंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सम्मेलन भारत और एशिया के दूसरे देशों के बीच बौद्ध शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति और शोध के रिश्तों को और मजबूत करेगा। इससे भारत को दुनिया में बौद्ध ज्ञान के एक बड़े केंद्र के रूप में पहचान मिलेगी। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग बौद्ध शिक्षा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़ सकें। पालि भारत की सबसे प्राचीन ज्ञात भाषाओं में मानी जाती है। इसे प्राचीन ब्राह्मी लिपि में लिखा जाता था, जिसका प्रमाण सम्राट सम्राट अशोक के शिलालेखों और स्तंभों से मिलता है। भगवान बुद्ध ने अपने उपदेश पालि भाषा में ही दिए थे और उस समय यह आम लोगों की भाषा थी। केंद्र की भारत सरकार ने पालि भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है, जिससे इस भाषा के संरक्षण और अध्ययन को नई मजबूती मिली है।

तेज रफ्तार डाला पलटा, बाइक सवार दंपति-बच्चा घायल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक तेज रफ्तार टेंपो डाला अनियंत्रित होकर एक बाइक पर पलट गया। इस हादसे में बाइक सवार डीसीएम चालक मोहर्रम अली (45), उनकी पत्नी किस्मतुन्निशा (40) और 10 साल की बेटी सुमायरा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल डाला उठाकर उसके नीचे दबे तीनों घायलों को बाहर निकाला। 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई, लेकिन पहुंचने में देरी होने पर लतीफ नगर के प्रधान प्रतिनिधि तरुण शुक्ला ने अपनी कार से तीनों को कटी बगिया स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया। उनका इलाज जारी है। मोहर्रम अली उन्नाव जिले के हसनगंज थाना क्षेत्र स्थित समदपुर जसमड़ा के रहने वाले हैं, वह अपनी पत्नी किस्मतुन्निशा और बेटी सुमायरा के साथ रायबरेली स्थित रिश्तेदारी से बंथरा के बनी मोहान रोड होते हुए बाइक से वापस घर जा रहे थे। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने डाला चालक प्रमोद साहू को पकड़ लिया। प्रमोद साहू बंथरा के रहीमनगर पड़ियाना का निवासी है। लोगों ने डाला और उसके चालक को पुलिस के हवाले कर दिया।

एसआईआर में बड़े पैमाने पर सपा के समर्थकों के हटाए गए नामः अखिलेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि इसके लिये जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अखिलेश यादव ने यहां सपा कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठायेगी। सपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी इस संबंध में मंगलवार को निर्वाचन आयोग को एक ज्ञापन भी सौंपेगी, जिसमें यह अपील की जाएगी कि एसआईआर में जो गड़बड़ियां की गयी हैं, उन पर किन नियमों के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाए और यदि कोई व्यक्ति गलत काम करने का दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद सपा इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि फॉर्म-7 के जरिये नाम हटाने की प्रक्रिया सिर्फ बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) द्वारा शुरू की जानी चाहिए, किसी और माध्यम से नहीं। उन्होंने यह भी मांग की कि विधानसभा चुनाव क्षेत्र, बूथ नंबर और फॉर्म-7 जमा करने वाले व्यक्ति समेत पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि एसआईआर में सपा के समर्थकों के नाम गलत तरीके से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सकलडीहा विधानसभा क्षेत्र में 16 मतदाताओं के नाम हटा दिये गये। विश्लेषण करने पर पता लगेगा कि वे पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) समुदाय के हैं। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि बाबागंज विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 365 पर जाली हस्ताक्षर का हवाला देकर लगभग 100 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिये गये। उन्होंने कई मतदाताओं के नाम, उनके बूथ नंबर और उन्हें हटाने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए फॉर्म-7 का विवरण भी पढ़कर सुनाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी कई दिनों से गलत तरीके से हटाए गए नामों के बारे में आंकड़े दे रही है लेकिन उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। उन्होंने नंदलाल नाम के एक व्यक्ति से जुड़े मामले का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया कि उस शख्स (नंदलाल) ने अंगूठे का निशान लगाया था लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने फार्म-7 भरने के लिए उससे हस्ताक्षर करवा लिये थे। अखिलेश यादव ने सवाल किया कि क्या इस मामले में जिले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की एक शुप्त बैठकश में सपा द्वारा जीती गई सीटों को निशाना बनाने और वहां उसके मतदाताओं के नाम हटाने का फैसला किया गया था, यह योजना विधानसभा और बूथ स्तर पर लागू की जा रही है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा के एक नेता ने दावा किया था कि कन्नौज में तीन लाख वोट कटवा दिए गए थे और दूसरे जिलों में और भी हटाए जाने हैं। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि मोहम्मद जियाउद्दीन रिजवी बलिया के सिकंदरपुर क्षेत्र से विधायक हैं, वहां उनकी पत्नी का वोट कटवा दिया गया है। उन्होंने भाजपा पर महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, कानून-व्यवस्था, व्यापार समझौते, डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरती कीमत, सोने-चांदी की बढ़ती कीमतों समेत विभिन्न जनसरोकार के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने फार्म-7 से जुड़े आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि जहां सपा ने उत्तर प्रदेश में ऐसे सिर्फ 47 फॉर्म भरे थे, वहीं भाजपा ने 1,729 और अज्ञात लोगों ने एक लाख 28 हजार 659 फॉर्म भरे थे। ये अज्ञात लोग भाजपा से जुड़े थे और ऐसे नामों का इस्तेमाल जवाबदेही से बचने के लिए किया गया था। इस सवाल पर कि क्या उन्हें शक है कि निर्वाचन आयोग भाजपा के दबाव में काम कर रहा है, यादव ने कहा, निर्वाचन आयोग को अपने कार्यालय पर भाजपा का झंडा लगा देना चाहिए। सपा प्रमुख ने एक और सवाल के जवाब में भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, वे (भाजपा) केवल चुनाव जीतना चाहते हैं। वे लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। वे भीमराव आंबेडकर और इस देश के लिए अपनी जान देने वाले दूसरे लोगों को मिटाना चाहते हैं क्योंकि उन्होंने आजादी से पहले वंदे मातरम नहीं गाया और आजादी के बाद इसे गाने में इतना समय लगा दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए यादव ने कहा, बिष्ट जी को अपने दोस्तों से पूछना चाहिए कि उन्होंने वंदे मातरम कब गाया।

डिजिटल हुआ लखनऊ मेट्रो क्यूआर टिकटिंग की शुरुआत

लखनऊ। लखनऊ मेट्रो ने यात्रियों की सुविधा को और अधिक आसान और डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए क्यूआर आधारित टिकटिंग प्रणाली की शुरुआत कर दी है। इस नई व्यवस्था का शुभारंभ सोमवार को हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने किया। इसके साथ ही क्यूआर टिकट के साथ यात्रा करने वाले पहले यात्री वत्सल बरन बने। उन्होंने इस सुविधा को समय बचाने वाली और बेहद सुविधाजनक पहल बताया। इस सुविधा का लाभ अब यात्री घर बैठे मोबाइल ऐप के माध्यम से क्यूआर टिकट बुक कर मेट्रो यात्रा कर सकेंगे। नई प्रणाली के तहत यात्री लखनऊ मेट्रो के आधिकारिक मोबाइल ऐप, टिकट काउंटर और क्यूआर सपोर्टेड टिकट वेंडिंग मशीन के जरिए आसानी से क्यूआर टिकट प्राप्त कर सकेंगे। मोबाइल ऐप से टिकट बुक करने पर क्यूआर कोड डिजिटल रूप में फोन पर उपलब्ध होगा, जबकि टिकट काउंटर और मशीन से पेपर क्यूआर टिकट भी लिया जा सकेगा। यात्रियों को मेट्रो स्टेशन पर प्रवेश और निकास के समय ऑटोमेटिक फ़ेयर कलेक्शन (एएफसी) गेट पर पीली पट्टी वाले स्कैनर पर क्यूआर टिकट स्कैन करना अनिवार्य होगा। मेट्रो प्रशासन ने सभी स्टेशनों पर क्यूआर सपोर्टेड टिकट वेंडिंग मशीनें स्थापित कर दी हैं, जिन पर यूपीआई के माध्यम से भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके साथ ही टोकन आधारित टिकट व्यवस्था भी पहले की तरह जारी रहेगी। इस अवसर पर यूपीएमआरसी के एमडी सुशील कुमार ने कहा कि क्यूआर आधारित टिकटिंग प्रणाली स्मार्ट ट्रैवल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे यात्रियों को तेज, सरल और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। उन्होंने बताया कि भविष्य में वन नेशन, वन कार्ड की तर्ज पर लखनऊ में भी जल्द एनसीएमसी कार्ड की सुविधा शुरू की जाएगी।

महाशिवरात्रि के पावन पर आयोजित हुआ भव्य जागरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। क्षेत्र के तपनौर स्थित झाड़ी बाबा प्रांगण मे रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर 13वां विशाल भोलेनाथ का जागरण भक्ति भाव और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरविंद कुमार त्रिपाठी पूर्व एमएलसी उन्नाव द्वारा झाड़ी बाबा का पूजन अर्चन करने के पश्चात बाबा भोलेनाथ के दरबार का पूजन किया। यह कार्यक्रम का आयोजन जय भोले युवा कमेटी तपनौर द्वारा किया गया जिसमें एसडी ग्रुप के संस्थापक एवं गौ गीता गंगा रक्षा मंच के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्यामू द्विवेदी ने सभी अतिथियों का स्वागत कर बाबा भोलेनाथ की प्रतिमा को सप्रेम भेंट किया।

झाड़ी बाबा पर महाशिवरात्रि जागरण में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने देर रात तक उपस्थित रहकर भोलेनाथ के भजनों का आनंद लिया। रविवार सायं 7 बजे से प्रारंभ हुए जागरण में सर्वप्रथम गणेश भगवान की आरती प्रस्तुत की गई जिसे देखकर भक्त ताली बजाते हुए थिरकने लगे। कलाकारों ने शिव भजनों की मनमोहक झांकिया प्रस्तुत की। पूरा परिसर हर हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ का पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि की कामना की। कमेटी में मुख्य रूप से अध्यक्ष भगवानदीन राठौर, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार (डीके) व कमेटी के अन्य पदाधिकारी सक्रिय रहे।

आयोजक श्यामू द्विवेदी ने सभी आगंतुक श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार से धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा।

इस मौके पर मुख्य अतिथि अरविंद त्रिपाठी पूर्व एमएलसी अंजू बाला अपराजित सांसद सतीश वर्मा पूर्व विधायक अभय शंकर शुक्ला वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक सिंह भाजपा नेता राजेश पाठक भाजपा नेता, रवि वर्मा सदस्य जिला पंचायत, मास्टर पंकज वर्मा पूर्व सदस्य जिल पंचायत, मास्टर गुड्डू सिंह गौरा, शिवाकांत दीक्षित अधिवक्ता, आशीष दीक्षित पूर्व प्रधान नेवादा, समाजसेवी विशाल जायसवाल, बीके मिश्रा गौ गीता गंगा रक्षा मंच राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अधिवक्ता दिल्ली, रमेश चंद्र पांडेय, राज्जन लाल, किशोर त्रिपाठी, नीतू बाजपेई, अनंतराम दीक्षित, राज शर्मा, अनुज अवस्थी, अवधेश सिंह, विनीत सिंह, रवि नादान, रमेश वर्मा चंद एडवोकेट, रामदास वर्मा पूर्व सभासद मुकेश गुप्ता, एवं मीडिया कर्मी स्टाफ सहित काफी संख्या में दर्शक एवं गणमान्य उपस्थित रहे।

बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शपथ ग्रहण कराती जिला जज फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। शाहाबाद बार एसोसिएशन की नवीन कार्य कारिणी का शपथ ग्रहण समारोह तहसील सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें जिला जज रीता कौशिक द्वारा बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। जिला जज रीता कौशिक ने कहा शाहाबाद में जल्द ही मुंसिफ न्यायालय शुरू हो जायेगा। ग्राम न्यायालय की शुरुआत हो चुकी है सभी अधिवक्ता बार और बेंच के बीच सामंजस्य बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा वादी को न्याय दिलाना ही सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। उनके द्वारा अध्यक्ष विमलेश सिंह लोधी, उपाध्यक्ष गिरेंद्र प्रकाश मिश्रा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष हरनाम सिंह यादव, महामंत्री बलराम दीक्षित, संयुक्त मंत्री आशीष पांडे, संयुक्त मंत्री दुर्गेश अवस्थी, कोषाध्यक्ष हसनैन वारसी, वरिष्ठ सदस्य केश कुमार पांडे, घनश्याम द्विवेदी, नीरज दीक्षित, चंद्रपाल सिंह, श्रीकृष्णा शर्मा, विमल पांडे कनिष्ठ सदस्य मणिन्द्र कुमार सिंह रंजन प्रदीप शर्मा धीरेंद्र सिंह नीरज शुक्ला शेर सिंह सुधीश कुमार को पद और गोपनीता की शपथ दिलाई गई। पूर्व महाधिवक्ता राघवेंद्र सिंह, सीजीएम रिचा वर्मा, अमृतांशु राज सिविल जज जूनियर डिवीजन ग्राम न्यायालय, सहायक पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण, एसडीएम अंकित तिवारी, तहसीलदार संध्या यादव आदि ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए नवनिर्वाचित सभी पदाधिकारी को बधाई देते हुए कहा वह बार और बेंच के बीच सामनजस्य स्थापित कर कार्य करने की अपील की गयी। इस अवसर पर तहसील के सभी अधिवक्ता उपस्थित रहे।

दबंगों ने कार्य क्षतिग्रस्त कर जान माल की धमकी दी

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। चार पहिया वाहन से दवा लेने आए एक व्यक्ति की कार को दबंगों ने क्षतिग्रस्त कर डाला और गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। सूचना पाकर पीआरबी मौके पर पहुंची और कार चालक को कोतवाली लाई है । कर चालक में कोतवाली में तहरीर दी है। मझिला थाना के मझिला ग्राम निवासी गुरुवेल सिंह पुत्र कुलदीप सिंह के अनुसार वह अपने परिवार के साथ शाहाबाद के सिनेमा चौराहा स्थित प्रकाश नर्सिंग होम में दवा लेने अपनी कार से आया था। दवा लेकर वापस लौटते समय सड़क पर एक तरफबुलेट बेतरतीब ढंग से खड़ी थी। दूसरी एक स्कूटी खड़ी थी। स्कूटी बचाने के कारण सड़क पर खड़ी बुलेट में उसकी कार टच हो गयी। जिससे बुलेट गिर जाने से उसमे कुछ निशान पड़ गए थे। तभी जीशान पुत्र रजी अपने पिता रजी और दो अन्य लोगों के साथ आ गए और उसे गाली गलौज करने लगे। गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने ईंट से उसकी कार पर हमला कर दिया जिससे उसकी कार में काफ़ी नुकसान हुआ। विपक्षी ने परिवार सहित उसे जान से मार डालने की धमकी दी। उसका परिवार बहुत दहशत में था। पी आर बी को सूचना देकर कार और जान बचाने की गुहार लगाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे बचाया और थाने लेकर आई।पीड़ित की लिखित तहरीर लेकर पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी।

हेलमेट और वैद्य लाइसेंस के बिना महाविद्यालय परिसर में नहीं मिलेगा प्रवेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदोई में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत महाविद्यालय के रोड सेफ्टी क्लब के तत्वाधान में विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर में प्रवेश के समय विद्यार्थियों तथा अभिभावकों के हेलमेट तथा ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की गई तथा जिन विद्यार्थियों के पास हेलमेट और लाइसेंस नहीं पाया गया उन्हें चेतावनी दी गई कि परिसर में 'नो हेलमेट नो एंट्री' नियम लागू है। हेलमेट और वैद्य लाइसेंस के बिना परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। प्राचार्य प्रो0 निखिलेश शरण ने कहा की सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करके ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। यह आपके जीवन की सुरक्षा हेतु आवश्यक है। रोड सेफ्टी क्लब के सदस्यों ने हेलमेट के महत्व, निर्धारित गतिसीमा का पालन करने, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन न चलाने और ट्रैफिक संकेतो के पालन के विषय में जागरूक किया। डॉ० नमिता त्रिपाठी ने साइकिल से आने वाले विद्यार्थियों को साइकिल के आगे और पीछे रिफ्लेक्टर लगवाने की सलाह दी। डॉ0 शिवम मौर्य ने तेज गति से वाहन ना चलाने तथा मुड़ते समय संकेत देने की बात कही। कमलेश वर्मा, संजीव कुमार वर्मा, आसिफ अली तथा राहुल कश्यप ने भी इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। सभी उपस्थित विद्यार्थियों और अभिभावकों को यातायात नियमों के पालन तथा सड़क सुरक्षा शपथ भी दिलाई गई।

बसपा नेता ने जनसंपर्क तेज किया, सियासी हलचल तेज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बहुजन समाज पार्टी के नेता एवं अंजुमन इमदादिया समिति के अध्यक्ष शारिब हुसैन खां ने विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को जनसंपर्क कर लोगों से उनकी कुशल क्षेम पूंछी और बसपा नेत्री मायावती के कार्यकाल पर चर्चा की। शारिब हुसैन खां ने रविवार को 155 विधानसभा शाहाबाद के ग्राम निसौली गोपालए बकौराए बूटा मऊए उमरिया में जन्म संपर्क किया और लोगों से उनकी कुशल क्षेम पूंछी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ग्राम भ्रमण के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के कार्यकाल पर चर्चा की और उनके कार्यकाल को एक बेहतर कार्यकाल बताया। उन्होंने बताया बहुजन समाज पार्टी ही कैसी पार्टी है जो दलितों के साथ.साथ सर्व समाज की बात करती है। उन्होंने कहा बसपा का जनाधार कभी घटा नहीं। विपक्षियों द्वारा यह प्रचार किया गया कि बहुजन समाज पार्टी का जनाधार कम हो गया है। बहुजन समाज पार्टी का जनाधार हमेशा बढ़ा है। उन्होंने बताया इस बार विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की नेत्री मायावती ने अकेले दम पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है । उत्तर प्रदेश की समस्त विधानसभा सीटों पर बहुजन समाज पार्टी अपने प्रत्याशी उतारेगी और पूर्ण बहुमत की उत्तर प्रदेश में सरकार बनाएगी।

तेज रफ्तार बाइक फिसली, बाइक सवार घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मंझिला थाना क्षेत्र के ग्राम अंतोरा के पास सोमवार को शाम ०4:30 बजे एक तेज रफ्तार बाईक अनियंत्रित होकर फिसल गई जिससे बाइक सवार घायल हो गया। घायल बाइक सवार को सीएचसी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया है। रोजा जनपद शाहजहांपुर निवासी धर्मवीर पुत्र रामवीर अपने रिश्तेदारी में जा रहा था। मंझिला थाना क्षेत्र के अंतोरा गांव के पास जैसे ही वह पहुंचा उसकी तेज रफ्तार बाईक अनियंत्रित होकर फिसल गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे सीएचसी लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया।

ट्रक ने ई-रिक्शा के टक्कर मारी, पांच घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। हरदोई-शाहाबाद हाइवे पर ककरघटा के निकट निर्माणाधीन टोल टैक्स के सामने दोपहर करीब 2 बजे सवारी लेकर जा रहे ई-रिक्शा में पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे ई-रिक्शा पर सवार पांच यात्री घायल हो गए। घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद एक महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। मियांपुर निवासी शिवकुमार पुत्र बालक अपने पुत्र प्रांशु और मोहित के साथ ई रिक्शे से शाहाबाद आ रहा था। रास्ते में हूँसेपुर गांव निवासी उर्मिला पत्नी संजू अपनी पाली निवासी रिश्तेदार प्रतीक्षा के साथ उसी ई रिक्शे पर शाहाबाद आने के लिए बैठ गयी। शाहाबाद से पहले निर्माणाधीन टोल टैक्स के सामने पीछे से आ रहे अज्ञात ट्रक ने ई-रिक्शा में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा सवार सभी घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी लाया गया। जहाँ उर्मिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। शेष घायलों का इलाज किया जा रहा है।

नगर पालिका कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकास खंड पिहानी कोतवाली क्षेत्र में एक महिला संविदा कर्मचारी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना मोहल्ला मीर सराय में सामने आई है। मृतका की पहचान 40 वर्षीय नेहा पत्नी सुशील के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार नेहा पिहानी नगरपालिका में संविदा ठेका कर्मचारी के रूप में कार्यरत थीं। सोमवार को उनका शव घर के अंदर फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। नेहा अपने पीछे दो बेटे और एक बेटी छोड़ गई हैं। परिवार में इस घटना के बाद दुख का माहौल है। मामले की सूचना मिलते ही पिहानी प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतका के पति सुशील ने पुलिस को बताया कि घर में किसी तरह का कोई विवाद या तनाव नहीं था। आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात है। पुलिस का कहना है कि मौत के स्पष्ट कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी स्थिति साफहो पाएगी।

मृतका की फाइल फोटो

नौनिहालों के जीवन को संकट में डाल, उनसे फावड़ा और खुरपी से प्राथमिक विद्यालय में कराई जा रही सफाई

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ब्लाक अहिरोरी के दाउदपुर का प्राथमिक विद्यालय यह सारा मामला है जिसमें अध्यापिका द्वारा बच्चों से साफ-सफाई कराई जा रही है वीडियो वायरल होने के बाद जिले में तमाम तरह की चर्चा आम है। लोगों का कहना है कि प्राथमिक विद्यालय में नौनिहालों से स्कूल में इस तरह से कार्य कराया जा रहा है, जोकि शिक्षा व्यवस्था पर एक सवालिया निशान खड़ा कर रहा है। जिम्मेदारों के द्वारा इस तरह से स्कूल के बच्चों से कार्य करवाने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। शिक्षा ग्रहण करने आये नैनीहाल मैदान को साफ कर रहे है एक ओर सरकार स्कूलों को आधुनिक सेवाओं से लैस करने का प्रयास कर रही है। दूसरी तरफ बच्चों से खुरपी व फावड़ा चलवा कर शिक्षा विभाग की पोल खोली जा रही है। जिससे शासन-प्रशासन सहित शिक्षा विभाग के तमाम दावे खोखले साबित हो रहे हैं। नौनिहालों के जीवन को संकट में डाल कर उनसे फावड़ा और खुरपी चलवाई जा रही है, जोकि अपने आप में एक बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

प्रदर्शन करते आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। नगर पालिका परिषद के आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों ने सोमवार को सुबह सफाई कर्मचारी नेता संजय वाल्मीकि के नेतृत्व में अंबेडकर पार्क से जुलूस निकाला और नारेबाजी करते हुए नगर पालिका पहुंचे। यह जुलूस अंबेडकर पार्क से ब्लाक चौराहा, नवीन मंडी, अल्लाहपुर तिराहा, सरायं दरवाजा, खलील होते हुए नगर पालिका परिषद पहुंचा। जहां पर आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया और अधिशासी अधिकारी के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। अधिशासी अधिकारी द्वारा तीन फर्में ब्लैकलिस्टेड किए जाने के बाद आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया। जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया। होली का त्यौहार नजदीक आ रहा है और सफाई कर्मचारियों का वेतन फंस गया है जिससे सफाई कर्मचारी भुखमरी की कगार पर पहुंच जाएंगे। सफाई कर्मचारी नेता संजय वाल्मीकि ने बताया यह अनिश्चितकालीन हड़ताल है। जब तक कोई जिम्मेदार अधिकारी बीच में पड़कर बात नहीं करता है तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल चलती रहेगी। उन्होंने बताया पालिका प्रशासन द्वारा हमेशा सफाई कर्मचारियों को गुमराह किया जाता है झूठे वादे किए जाते हैं उसके बाद पालिका प्रशासन फिर अपनी हठधर्मी पर आ जाता है।

हड़ताल होने से गंदगी का साम्राज्य

आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल होने की वजह से नगर में गंदगी का साम्राज्य व्याप्त हो गया है। जगह-जगह कूड़े के देर लग गए हैं। तिराहों और चौराहों पर भी गंदगी का नजारा देखने को मिल रहा है। कूड़े के बड़े-बड़े ढेर लगे हैं। छुट्टा जानवर कूड़े को सड़कों पर बिखेर कर गंदगी फैला रहे हैं। कूड़े के ढ़ेर से बदबू आने लगी है जिससे संक्रामक रोग फैलने की आशंका है।

विक्ट्री क्रिकेट क्लब पाली की शानदार जीत, बाला बने मैन ऑफ द मैच

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। सवायजपुर प्रीमियर लीग के आठवें संस्करण क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत सोमवार को खेले गए मुकाबले में विक्ट्री क्रिकेट क्लब पाली ने आर्मी इलेबन क्लब पाली को एकतरफा मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए विक्ट्री क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 16 ओवर में 226 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

टीम की ओर से बल्लेबाज बाला ने विस्फोटक प्रदर्शन करते हुए 15 छक्कों की मदद से शानदार 135 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर्मी इलेबन क्लब की टीम विक्ट्री के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और महज 102 रन पर ऑलआउट हो गई। शानदार बल्लेबाजी के लिए बाला को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मुकाबले के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की गई।

इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष राजन सिंह गौरव पाण्डेय शिवांश पाण्डेय ऋतेश त्रिपाठी टाइगर बाजपेई सहित बडी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन के उड़ाई जा रही जमकर धज्जियां, टूटी पड़ी नाली से सड़क पर बह रहा गंदा पानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। सरकार भले लाख दावे कर ले लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन की जमकर उड़ाई जा रही है धज्जियां और लोग लोग गन्दगी में रहने को मजबूर हैं पूरा मामला हरदोई जनपद की हरियावां विकासखंड के भदेउरा में ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी की उदासीनता ग्रामीण पर भारी पड़ रही है और सफाई व्यवस्था दुरुस्त न होने से सड़कों पर पानी बड़ा है तो कहीं नालियां टूटी पड़ी हुई है जिससे पानी सड़क पर बह रहा है जिससे ग्रामीणों में गंभीर बीमारी व संक्रमण फैलने का डर बना रहता है वही ग्रामीणों का आरोप है इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासन से शिकायत की गई और लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है जिससे लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है सरकार लाख दावे कर लें लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है फ्लिहाल पूरे मामले पर जिम्मेदार मौन हैं वही देखना अब यह होगा ग्रामीण के समस्या का समाधान होगा क्या यूं ही समस्याओं को झेलना पड़ेगा।

ब्लॉक संसाधन केंद्र टड़ियावाँ पर हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम का हुआ आयोजन

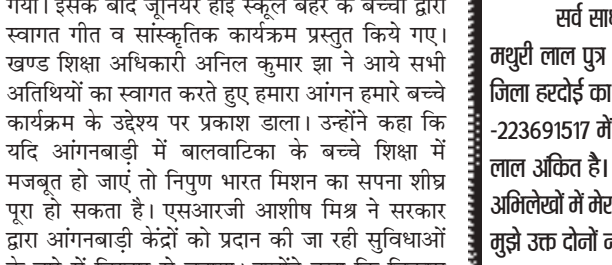

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जनपद हरदोई के ब्लॉक संसाधन केंद्र टड़ियावां पर 16 फरवरी को खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार झा की अध्यक्षता में हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाल विकास पुष्टाहार विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग के समन्वय से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख टड़ियावां रवि प्रकाश एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में खण्ड विकास अधिकारी इन्द्रसेन नाथ, एसआरजी आशीष कुमार मिश्र, सीडीपीओ प्रतिनिधि नमिता राठौड़ व उ.प्र. प्राथमिक शिक्षक संघ टड़ियावां अध्यक्ष अनन्त राम पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन व माल्यार्पण से हुई। प्राथमिक विद्यालय गद्दीपुरवा के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना व बालवाटिका पर एक लघु नाटक प्रस्तुत किया गया। इसके बाद जूनियर हाई स्कूल बहर के बच्चों द्वारा स्वागत गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार झा ने आये सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि आंगनबाड़ी में बालवाटिका के बच्चे शिक्षा में मजबूत हो जाएं तो निपुण भारत मिशन का सपना शीघ्र पूरा हो सकता है। एसआरजी आशीष मिश्र ने सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों को प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड टड़ियावां समय-समय पर कीर्तिमान रचता रहा है। ब्लॉक प्रमुख टड़ियावां ने कहा कि बालवाटिका के बच्चे आंगनबाड़ी व विद्यालय के बीच एक कड़ी की तरह कार्य करते हैं। यह कड़ी जितनी ज्यादा मजबूत होगी बच्चे की शिक्षा रूपी गाड़ी उतना ज्यादा आगे जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार झा के नेतृत्व में विकास खण्ड प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आज के समय मे विद्यालय में जो सकारात्मक परिवर्तन दिख रहे हैं वह सभी शिक्षकों की मेहनत को परिलक्षित कर रहे हैं। शिक्षक अभिषेक मिश्र ने विद्या प्रवेश कार्यक्रम, बाल मैत्री फर्नीचर, चार ब्लॉक लर्निंग कॉर्नर व निपुण लक्ष्यों पर समझाया। एआरपी विवेक सिंह, आशीष राज सिंह व सत्यम शर्मा ने स्कूल रेडिनेस,वन्डर बॉक्स के बारे में बताते हुए बच्चों की विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थिति के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन करते हुए अभिषेक मिश्र व मनीष मिश्र द्वारा बताया गया कि जन समुदाय के समक्ष निपुण लक्ष्यों एवं मूलभूत साक्षरता की आवश्यकता से अवगत कराने हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नोडल शिक्षक संकुल के साथ को-लोकेटेड स्कूल रेडिनेस शिक्षक, ईसीसीई एजुकेटर्स, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, सुपरवाइजर, अभिभावक व प्रत्येक संकुल से बालवाटिका ;आयु 5 से 6 वर्षद्ध के 5 बच्चों ने प्रतिभाग किया। सभी बच्चों को स्कूल बैग, स्टेशनरी व किताब देकर सम्मानित किया गया। उ०प्र० प्राथमिक शिक्षक संघ टड़ियावां अध्यक्ष अनन्त राम पाण्डेय ने कार्यक्रम में आये सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विकास खण्ड की उपलब्धियों के बारे में बताया। एसआरजी आशीष मिश्र ने बताया कि बच्चे का विद्यालय में नामांकन से पूर्व आधारभूत साक्षरता हेतु आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त किया जा रहा है जिसके भविष्य में सुखदायी परिणाम प्राप्त होंगे। खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार झा ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित किया। इसके बाद सभी उपस्थित लोगों को लंच कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से एसआरजी आशीष मिश्र, उ०प्र० प्राथमिक शिक्षक संघ टड़ियावां अध्यक्ष अनन्त राम पाण्डेय, एआरपी विवेक सिंह, आशीष राज सिंह, सत्यम शर्मा, अभिषेक मिश्र, नीलेश सिंह, मंजेश अवस्थी, अशोक सिंह, विकास अग्निहोत्री, कुशल अवस्थी, नोडल शिक्षक संकुल सदस्य के साथ भारी संख्या में शिक्षक, ईसीसीई एजुकेटर्स, आंगनबाड़ी कार्यकत्री व अभिभावक उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मथुरी लाल पुत्र बुधई, निवासी-ग्राम परचल रसूलपुर, जिला हरदोई का निवासी हूँ। मेरी बीमा पालिसी संख्या -223691517 में मथुरा प्रसाद और पिता का नाम बुद्धा लाल अंकित है। जब कि मेरे आधार कार्ड सहित अन्य अभिलेखों में मेरा नाम मथुरी लाल पुत्र बुधई अंकित है। मुझे उक्त दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।

मथुरी लाल पुत्र बुधई,
निवासी-ग्राम परचल रसूलपुर,
जिला-हरदोई

कार्यालय नगर पालिका परिषद मल्लावाँ, जनपद-हरदोई

पत्र सं0: 70/एम0बी0एम0/नामान्तरण/2025-26 दिनाँक-20.12.2025

सार्वजनिक सूचना
नामान्तरण (दाखिल खारिज)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद मल्लावाँ, के अर्न्तगत **निवासी मोहल्ला मिर्जापुर मल्लावाँ, तह0 बिलग्राम, जिला-हरदोई** के निवासी **श्री शराफत हुसैन अंसारी पुत्र अजमत अली अंसारी** ने नाम परिवर्तन हेतु प्रार्थना पत्र दिनाँक-17.12.2025 को प्रस्तुत किया है, जिसमें मोहल्ला गंगारामपुर मल्लावां में निम्न चौहद्दी के अनुसार बैनामा के आधार पर भूमि क्रय की गई है। जिसकी चौहद्दी निम्नवत है-

पूरब- पाँच मीटर से कम चौड़ा रास्ता। **पश्चिम-** प्लाट सत्यवती व शमशाद।
उत्तर- प्लाट महादेव। **दक्षिण-** प्लाट सत्यवती ।

इस नामान्तरण प्रार्थना पत्र पर यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो एक माह के अन्दर नगर पालिका में कार्यालय अवधि मे दे सकता है। समयावधि व्यतीत होने के पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

(अध्यक्ष)
नगर पालिका परिषद
मल्लावाँ, हरदोई।

विविधता की खेती का जवाब नहीं

इन दिनों खेतों में रबी की फसलें लहलहा रही हैं। हरे-भरे खेत हैं। मुझे याद आ रही है, सतपुड़ा अंचल की, जहां एक जमाने में चने की खेती बहुतायत में होती थी। चना, बिना सिंचाई या बहुत कम पानी की फसल है, जिसे किसान उगाते थे। आज जब खेती का अभूतपूर्व संकट है, तब ऐसी देसी खेती को याद जरूरी है, जिसमें कम पानी, कम लागत और मिट्टी की उर्वरता बनी रहे। इसी प्रकार, सतपुड़ा अंचल में मिश्रित खेती की एक पद्धति है उतेरा, जिसमें कई फसलें एक साथ बोते हैं। आज इस कॉलम में इस पर बात करना चाहूंगा, जिससे खेती को समग्रता में समझा जा सके। नर्मदापुरम जिला (पूर्व में होशंगाबाद जिला) भौगोलिक रूप से दो भागों में बंटा है। एक है सतपुड़ा की जंगल पट्टी। दूसरा है नर्मदा का कछार। नर्मदा कछार मैदानी इलाका है, जहां अच्छी उपजाऊ मिट्टी है। जंगल पट्टी में प्रायरू सूखी और असिंचित खेती होती है। जबकि नर्मदा के कछार में तवा की नहरें हैं। कछार की जमीन काफी उपजाऊ मानी जाती है। यही काली मिट्टी की जमीन में चना अच्छा होता है। बिना सिंचाई के चना की खेती होती है। दीपावली के समय बारिश की नमी में ही चना को बोया जाता है, और होली के पूर्व ही चना कटाई हो जाती है। मुझे याद है, मैं अपने परिवारजनों के साथ खेत में चना का होउरा (भुना चना) खाने के लिए जाया करता था। कई बार मेहमानों व अतिथियों को भी चना का होउरा खिलाने खेत भी ले जाते थे। यह अतिथियों का आत्मीय स्वागत करने का भी एक तरीका होता था। होउरा को भूनकर रख लिया जाता था, और जब भी जरूरत होती थी, उसे खाते थे। यह एक तरह का ड्राई फूड होता था। हमारे यहां गेहूं और चना दोनों को मिलाकर आटा पिसाने का चलन है। इसे बिर्रा कहते थे। इसकी रोटी बहुत ही पसंद की जाती हैं। यह रोटी बिना सब्जी की भी बहुत अच्छी लगती है। बुजुर्ग लोगों को बिर्रा की रोटी आज भी याद है। चने का सत्तू तो बहुत प्रचलन में था। सत्तू में गुड़ मिलाकर खाते थे। इसे यात्राओं में या गर्मी के दिनों में बड़े चाव से खाया जाता था। यह भी ड्राई फूड का एक प्रकार है। देशी बीजों के जानकार व पदमश्री से सम्मानित बाबूलाल दाहिया बताते हैं कि चने की भाजी बहुत अच्छी स्वादिष्ट होती है। इसकी सब्जी बनाई जाती है, और इसकी कोपलों को ऐसे ही अचार के साथ भी खाया जाता है। जब चने में भरे दाने हो जाते हैं, तो होउरा (भुना हरा चना) भी भूनकर खाते हैं। इस तरह ज्वार की रोटी और कोदो के चावल के साथ 3 माह तक चने की भाजी खाई जाती थी। चना के दाने भरे होने पर भी इसकी सब्जी बनाई जाती है। चना की दाल और बेसन से तो कई व्यंजन बनाए जाते हैं। सतपुड़ा की जंगल पट्टी में परंपरागत खेती की पद्धति प्रचलित है जिसे उतेरा कहा जाता है। यह छत्तीसगढ़ की उतेरा पद्धति से भिन्न है। यह मिश्रित पद्धति की खेती है। इसमें 6-7 प्रकार के अनाजों को मिलाकर बोया जाता है। इस अनूठी पद्धति में ज्वार, धान, तिल्ली, तुअर, समा, कोदो मिलाकर बोते हैं। एक साथ सभी बीजों को मिलाकर खेत में बोया जाता है और बक्खर चलाकर पेंटा लगा देते हैं। फसलें जून में बोई जाती हैं लेकिन अलग-अलग समय में काटी जाती हैं। पहले उड़द, फिर धान, ज्वार और अंत में तुअर कटती है। कुटकी जल्द पक जाती है। इसमें किसी प्रकार की लागत नहीं है। खुद की मेहनत, बैलों का श्रम और बारिश की मदद से हमारी फसल पक जाती है। हर साल हम अगली फसल के लिए बीज बचाकर रखते हैं और उन्हें खेतों में बो देते हैं। हमारे पास बैल हैं जिनसे हम खेतों की जुताई करते हैं। मवेशियों से हमें गोबर खाद मिलती है जिससे हमारे खेतों की मिट्टी उपजाऊ बनती है। उतेरा से पूरा भोजन मिल जाता है। दाल, चावल, रोटी और तेल सब कुछ। इसमें दलहन, तिलहन और मोटे अनाज सब शामिल हैं। इन सबसे साल भर की भोजन की जरूरतें पूरी हो जाती है। मवेशियों के लिए चारा और मिट्टी को उर्वर बनाने के लिए जैव खाद मिल जाती है। यानी उतेरा से इंसानों के लिए अनाज, मवेशियों के लिए फसलों के ठंडल, भूसा और चारा, मिट्टी के लिए जैव खाद और फसलों के लिए जैविक कीटनाशक प्राप्त होते हैं। इस पद्धति में कई फसलें एक साथ बोने से पोषक तत्वों का चक्र बराबर बना रहता है। अनाज के साथ फलियों वाली फसलें बोने से नाइट्रोजन आधारित बाहरी निवेशों की जरूरत कम पड़ती है। द्विदलीय फसलों की यही विशेषता है।

चना, बिना सिंचाई या बहुत कम पानी की फसल है, जिसे किसान उगाते थे। आज जब खेती का अभूतपूर्व संकट है, तब ऐसी देसी खेती को याद जरूरी है, जिसमें कम पानी, कम लागत और मिट्टी की उर्वरता बनी रहे। इसी प्रकार, सतपुड़ा अंचल में मिश्रित खेती की एक पद्धति है उतेरा, जिसमें कई फसलें एक साथ बोते हैं। आज इस कॉलम में इस पर बात करना चाहूंगा, जिससे खेती को समग्रता में समझा जा सके। नर्मदापुरम जिला (पूर्व में होशंगाबाद जिला) भौगोलिक रूप से दो भागों में बंटा है। एक है सतपुड़ा की जंगल पट्टी। दूसरा है नर्मदा का कछार। नर्मदा कछार मैदानी इलाका है, जहां अच्छी उपजाऊ मिट्टी है।

सृजन, सुविधा और नई संस्कृति

डॉ. सत्यवान सौरभ

समस्या यह नहीं है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता लिख सकती है। समस्या यह है कि वह लिखते समय मनुष्य होने का भ्रम रचती है। वह अनुभव की नकल करती है, पीड़ा की भाषा बोलती है, प्रेम और करुणा के मुहावरे दोहराती है-बिना कभी असफलता, भय या दुविधा से गुजरे। जब ऐसी सामग्री किसी मनुष्य के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो वह तकनीकी सहायता नहीं रह जाती; वह बौद्धिक नकल का रूप ले लेती है। यह नकल कोई नई बात नहीं है। हमारी शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से इस मानसिकता को पोषित करती रही है कि अंक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, प्रक्रिया नहीं। परीक्षा में नकल करके उत्तीर्ण होना, दूसरों की उत्तर पुस्तिकाओं से विचार उठाना, और फिर उसी सफलता का गर्वपूर्वक प्रदर्शन—यह सब समाज में किसी न किसी रूप में स्वीकार्य रहा है। आज वही प्रवृत्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नई शक्ल में सामने आई है। अंतर केवल इतना है कि अब नकल अधिक चमकदार, अधिक विश्वसनीय और अधिक सुरक्षित दिखाई देती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न सामग्री की एक पहचान बन चुकी है—भाषा की दृष्टि से निर्दोष, संरचना में संतुलित, और भावनात्मक रूप से उचित।

कहा जाता है कि हर नई तकनीक अपने साथ सुविधा लेकर आती है, पर कुछ तकनीक धीरे-धीरे हमारी सोच और आदतों को भी बदल देती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज ऐसे ही मोड़ पर खड़ी है। उसने लिखने की गति बढ़ाई है, उसे आसान और सुलभ बनाया है, पर उसी अनुपात में उसने सृजन के अर्थ को धुंधला भी किया है। अब प्रश्न यह नहीं रह गया कि लिखा कितना अच्छा है, बल्कि यह बन गया है कि लिखा किसने है और किस तरह लिखा है। जब किसी लेख, कविता या विचार को पढ़ते हुए यह बोध होता है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचा गया है, तो पाठक के भीतर कुछ टूट-सा जाता है। शब्द सधे हुए होते हैं, भाव भी उपयुक्त लगते हैं, पर कहीं एक रिक्तता रह जाती है। जैसे सुंदर शरीर हो, पर उसमें प्राण न हों। रचना का वह जादू, जो लेखक और पाठक के बीच एक अदृश्य संबंध बनाता है, अचानक समाप्त हो जाता है। यह केवल सौंदर्य का नहीं, विश्वास का भी प्रश्न है। समस्या यह नहीं है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता लिख सकती है। समस्या यह है कि वह लिखते समय मनुष्य होने का भ्रम रचती है। वह अनुभव की नकल करती है, पीड़ा की भाषा बोलती है, प्रेम और करुणा के मुहावरे दोहराती है-बिना कभी असफलता, भय या दुविधा से गुजरे। जब ऐसी सामग्री किसी मनुष्य के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो वह तकनीकी सहायता नहीं रह जाती; वह बौद्धिक नकल का रूप ले लेती है। यह नकल कोई नई बात नहीं है। हमारी शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से इस मानसिकता को पोषित करती रही है कि अंक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, प्रक्रिया नहीं। परीक्षा में नकल करके उत्तीर्ण होना, दूसरों की उत्तर पुस्तिकाओं से विचार उठाना, और फिर उसी सफलता का गर्वपूर्वक प्रदर्शन—यह सब समाज में किसी न किसी रूप में स्वीकार्य रहा है। आज वही प्रवृत्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नई शक्ल में सामने आई है। अंतर केवल इतना है कि अब नकल अधिक चमकदार, अधिक विश्वसनीय और अधिक सुरक्षित दिखाई देती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न सामग्री की एक पहचान बन चुकी है—भाषा की दृष्टि से निर्दोष, संरचना में संतुलित, और भावनात्मक रूप से उचित। पर यही परिपूर्णता उसे संदिग्ध भी बनाती है। क्योंकि वास्तविक सृजन प्रायः परिपूर्ण नहीं होता। उसमें झिझक होती है, दोहराव होता है, कभी-कभी असंगति भी होती है। सच्चा लेखक अपने ही विचारों से जूझता है, अपनी ही सीमाओं से संघर्ष करता है। उस संघर्ष की छाया शब्दों में दिखाई देती है, और वही रचना को जीवंत बनाती है। आज सामाजिक माध्यमों और अंकीय मंचों पर सामग्री की बाढ़ है। हर विषय पर, हर दृष्टिकोण से, तुरंत लेख उपलब्ध हैं। इस भीड़ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक तीव्र यंत्र की तरह काम करती है, जो पहले से मौजूद हजारों विचारों को जोड़कर एक नया पैकेज बना देती है। यह पैकेज उपयोगी हो सकता है, जानकारी पूर्ण हो सकता है, पर क्या वह दृष्टि दे सकता है? क्या वह जोखिम उठा सकता है? क्या वह यह स्वीकार कर सकता है कि मैं गलत भी हो सकता हूं? यहीं मनुष्य और यंत्र के बीच मूल अंतर स्पष्ट होता है। मनुष्य अपनी बात कहते समय डरता है—आलोचना से, अस्वीकार से, असफलता से। और यही डर उसकी आवाज को विशिष्ट बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को न आलोचना का भय है, न अस्वीकार का। इसलिए वह सुरक्षित भाषा में लिखती है—सबको स्वीकार्य, किसी को असुविधाजनक न लगे ऐसी। परिणामस्वरूप, हम ऐसी रचनाएं पढ़ रहे हैं जो सब कुछ कहती हैं, पर वास्तव में कुछ भी नहीं कहतीं। एक और गंभीर प्रश्न श्रेय का है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक औजार की तरह उपयोग किया जाए—शोध, संपादन या भाषा-सुधार के लिए—और यह स्पष्ट कर दिया जाए कि इसमें यंत्र की सहायता ली गई है, तो यह ईमानदारी है। पर जब पूरी रचना यंत्र द्वारा तैयार की जाए और लेखक का नाम किसी मनुष्य का हो, तो यह धोखा है। यह पाठक के साथ भी अन्याय है और सृजन की परंपरा के साथ भी। अकर यह तर्क दिया जाता है कि अंतिम परिणाम ही महत्त्वपूर्ण है, तरीका नहीं। पर यही तर्क नकल को भी वैध ठहराता है। यदि तरीका अप्रासंगिक होता, तो शिक्षा, प्रशिक्षण और अभ्यास का कोई अर्थ न रह जाता। सृजन केवल परिणाम नहीं है, वह एक प्रक्रिया भी है। लिखते समय जो सोच विकसित होती है, जो आत्मसंघर्ष होता है, वही लेखक को गढ़ता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उस प्रक्रिया को बीच में ही काट देती है। यह कहना भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वयं में शत्रु नहीं है। हर तकनीक की तरह उसका मूल्य उसके उपयोग में निहित है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब सुविधा, सृजन का स्थान लेने लगती है। जब लेखक बनने के स्थान पर सामग्री उत्पादक बनने की होड़ लग जाती है। जब पहचान मेहनत और अनुभव से नहीं, बल्कि उत्पादन की मात्रा से तय होने लगती है। भविष्य में संभवतः दो प्रकार के लेखन स्पष्ट रूप से दिखेंगे। एक, जो तेज होगा, चमकदार होगा, हर जगह उपलब्ध होगा—और शीघ्र भुला दिया जाएगा। दूसरा, जो धीमा होगा, सीमित होगा, कभी-कभी असुविधाजनक भी होगा—पर टिकेगा। क्योंकि वह किसी मनुष्य द्वारा चुकाई गई कीमत के साथ लिखा गया होगा। पाठक भी धीरे-धीरे इस अंतर को समझने लगेंगे। लेखक का मूल्य उसके साहस से आंका जाएगा—उस साहस से, जिसे किसी यंत्र से उधार नहीं लिया जा सकता। अंततः प्रश्न कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नहीं, हमारी ईमानदारी का है। सृजन सदैव कठिन रहा है और रहेगा। जो उसे अत्यधिक आसान बना देता है, वह अकसर उसे खोखला भी कर देता है। इसलिए आज, इस तकनीकी कोलाहल के बीच, सबसे आवश्यक प्रतिरोध यही है कि हम लिखते समय यह स्मरण रखें—शब्द केवल जोड़ने के लिए नहीं होते, जीने के लिए होते हैं। और जीवन की सच्ची अनुभूति की नकल कोई भी यंत्र, चाहे वह कितना ही कुशल क्यों न हो, पूर्ण रूप से नहीं कर सकता।

बांग्लादेश की नई सरकार को यूनुस के किरदार को समझना होगा

योगेश कुमार सोनी

बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि उनकी पार्टी भारत से औपचारिक रूप से शेख हसीना को ट्रायल के लिए बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने का आग्रह करेगी। उनका कहना है कि यह मामला दोनों देशों के संबंधित मंत्रालयों के बीच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए। बीएनपी का तर्क है कि हसीना के कार्यकाल में हुए कथित दमन और भ्रष्टाचार के मामलों की निष्पक्ष सुनवाई जरूरी है। पार्टी ने भारत से सहयोग की उम्मीद जताई है लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि न्यायिक प्रक्रिया से पीछे हटने का सवाल नहीं उठता। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के बाद पार्टी नेता तारिक रहमान देश की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही दो दशक बाद बांग्लादेश की सत्ता में बीएनपी की वापसी हो रही है। इसका असर भारत पर भी होगा। बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय चुनाव में बीएनपी ने 300 में से 212 सीटों पर रिकॉर्ड जीत हासिल कर बहुमत हासिल किया है। जमात-ए-इस्लामी गठबंधन को मात्र 77 सीटें हासिल हुई हैं।अन्य दलों का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। वं सत्ताधारी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी गई। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार गिर गई थी जिसके बाद से देश राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के दौर से गुजरा।

बीते दो वर्ष में बांग्लादेश ने राजनीतिक भूचाल देखा है। पहली बार ऐसा हुआ कि किसी एशियाई प्रधानमंत्री को देश से भागना पड़ा। अब बांग्लादेश की नई गाथा के बाद एक नया कूटनीतिक अध्याय शुरू होगा । आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने कड़े स्वर में कहा कि सत्ता संभालते ही उसका पहला बड़ा एजेंडा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण होगा। अब सवाल सिर्फ कानूनी नहीं बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला भी है चूंकि बीते लंबे समय से हसीना को लेकर भारत-बांग्लादेश के अलावा पूरी दुनिया की निगाह है कि आखिर शेख हसीना को लेकर अगला अध्याय क्या होगा । बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि उनकी पार्टी भारत से औपचारिक रूप से शेख हसीना को ट्रायल के लिए बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने का आग्रह करेगी। उनका कहना है कि यह मामला दोनों देशों के संबंधित मंत्रालयों के बीच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए। बीएनपी का तर्क है कि हसीना के कार्यकाल में हुए कथित दमन और भ्रष्टाचार के मामलों की निष्पक्ष सुनवाई जरूरी है। पार्टी ने भारत से सहयोग की उम्मीद जताई है लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि न्यायिक प्रक्रिया से पीछे हटने का सवाल नहीं उठता। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के बाद पार्टी नेता तारिक रहमान देश की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही दो दशक बाद बांग्लादेश की सत्ता में बीएनपी की वापसी हो रही है। इसका असर भारत पर भी होगा। बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय चुनाव में बीएनपी ने 300 में से 212 सीटों पर रिकॉर्ड जीत हासिल कर बहुमत हासिल किया है। जमात-ए-इस्लामी गठबंधन को मात्र 77 सीटें हासिल हुई हैं।अन्य दलों का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। वं सत्ताधारी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी गई। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार गिर गई थी जिसके बाद से देश राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के दौर से गुजरा। अब बांग्लादेश सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वहां बदहाली व गुंडागर्दी को कैसे नियंत्रित करेगी। दुनिया ने खुली आंखों से देखा कि किस तरह देश के प्रधानमंत्री की भी जान सुरक्षित नही है। गुंडागर्दी का तांडव ऐसा हुआ कि हसीना के निजी अंगवस्त्रों के साथ फोटो सोशल मीडिया पर डाले गए। मोहम्मद यूनुस ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है। उनकी यह घोषणा कि थी वह चुनाव के बाद सत्ता में नहीं रहेंगे लेकिन आज बांग्लादेश की सरकार को यूनुस की कितनी आवश्यकता है और क्या वह उनके किरदार व अनुभव का इस्तेमाल करके अपने आप को सशक्त करने का प्रयास करेगी। यह अहम सवाल है। सरकार को यूनुस का फायदा यह मिल सकता है कि उनकी साख सभी नेताओं से बहुत मजबूत मानी जाती है। संभावना जताई जा रही है कि चुनाव के बाद यूनुस फिर से सामाजिक विकास, गरीबी उन्मूलन और फिनटेक आधारित वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस तरह उनका भविष्य प्रत्यक्ष राजनीति से दूर, लेकिन राष्ट्रीय पुनर्निर्माण से जुड़ा रह सकता है। टाइम मैगजीन ने बुधवार को वर्ष 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की थी, जिसमें मोहम्मद यूनुस को जगह मिली है। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने पहली बार लिखा था कि यूनुस बांग्लादेश को मुश्किलों से बाहर निकाल रहे हैं और मानवाधिकारों को बहाल कर रहे हैं। बहरहाल, अब बांग्लादेश को स्वयं को लेकर अपनी सकारात्मक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। चूंकि जितना नुकसान बीते कुछ समय में हुआ है उसकी भरपाई करना बेहद मुश्किल है। सरकार का नया स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि वह अपनी छवि को सुधारते हुए सभी के साथ चले और देश की जनता में अपना विश्वास बनाए रखे।

बंगाल का भविष्यः धर्म की लहर या प्रगति की राह?

ललित गर्ग

बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो धूरवों के बीच सिमट चुका है।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं-चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है। बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो धूरवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विधूरवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो। ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने 'जय श्रीराम' के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने 'जय मां दुर्गा' और 'चंडी पाठ' के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं-ब्लबंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी हैङ्क-यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग धूरवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं-जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है। यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें 'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय। ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म-आधारित धूरवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीर्घकालिक शासन-क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पड़ता है। यदि चुनाव केवल ब्लकौन किसका प्रतिनिधि हैङ्क तक सीमित रह गया, तो ब्लकौन क्या करेगाङ्क का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा। बंगाल की आत्मा बहुलतावाद में रही है-रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ तक, यह भूमि विविध आस्थाओं और विचारों का संगम रही है। यहां दुर्गा पूजा और मुहर्रम दोनों सामाजिक उत्सव का रूप लेते रहे हैं। यदि राजनीति इस सामाजिक ताने-बाने को चुनावी अंकगणित में बदल देगी, तो समाज की संवेदनशीलता पर चोट पहुंचेगी। दूसरी ओर, यदि धार्मिक प्रतीकों का उपयोग सांस्कृतिक आत्मगौरव के साथ विकास-प्रतिबद्धता को जोड़ने में किया जाए, तो वह सकारात्मक भी हो सकता है। इस चुनाव में भाजपा की रणनीति हिंदू मतों का अधिकतम धूरवीकरण है; ममता की रणनीति हिंदू पहचान को बंगाली अस्मिता के साथ समाहित कर अल्पसंख्यकों के विश्वास को बनाए रखना है। मुस्लिम दलों की सक्रियता तृणमूल के लिए चुनौती है, पर वह भाजपा के लिए अवसर भी है। यह त्रिकोणीय-संभावना चुनाव को जटिल बनाती है। परंतु अंततः लोकतंत्र की परिपक्वता मतदाता तय करता है। यदि बंगाल का मतदाता विकास, रोजगार और सुशासन को प्राथमिकता देता है, तो राजनीतिक दलों को अपना विमर्श बदलना होगा। यदि वह पहचान की राजनीति को स्वीकार करता है, तो वही भविष्य की दिशा बनेगी। प्रश्न केवल यह नहीं कि कौन जीतेगा; प्रश्न यह है कि जीत का एजेंडा क्या होगा? क्या धर्म के आधार पर लड़ा गया चुनाव सार्थक मूल्य स्थापित कर पाएगा? या यह राज्य को और अधिक वैचारिक खाइयों में धकेल देगा? बंगाल की धरती ने अनेक बार भारत को नई वैचारिक दिशा दी है। आज फिर अवसर है-या तो वह धर्म बनाम धर्म की बहस में उलझे, या धर्म को नैतिकता और विकास की प्रेरणा बनाकर नई राजनीति की राह खोले। चुनाव परिणाम चाहे जो हो, असली कसौटी यही होगी कि क्या बंगाल अपनी आर्थिक ऊर्जा, सांस्कृतिक उदारता और सामाजिक समरसता को पुनः प्राप्त कर पाता है। यदि नहीं, तो धर्म की ध्वजा चाहे जितनी ऊंची फहराई जाए, विकास का शून्य अंततः सबको दिखाई देगा।

जिलाधिकारी ने खण्ड विकास कार्यालय मंझनपुर व सरसवां का किया निरीक्षण

- खंड विकास अधिकारियों को जनसुनवाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने विकास खण्ड मंझनपुर एवं सरसवां स्थित खण्ड विकास अधिकारी कार्यालयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जनसुनवाई को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। मंझनपुर कार्यालय के निरीक्षण के दौरान आई.जी.आर.एस. एवं जनशिकायत रजिस्टर में सूचनाएं अधूरी एवं अपडेट न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की तथा खण्ड विकास अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों को भी आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाय। जिलाधिकारी ने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाए रखने तथा अभिलेखों का सुव्यवस्थित रख-रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन कक्ष के निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के गठन की जानकारी ली और बैंक सखियों एवं महिलाओं को पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रोत्साहित करने तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा।

इसके उपरांत सरसवां कार्यालय के निरीक्षण में भी आई.जी.आर.एस./जनशिकायत रजिस्टर अपडेट न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसुनवाई पर विशेष ध्यान देने, शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने तथा सेक्टरवार नामित अधिकारियों को मौके पर भेजकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। क्षेत्र भ्रमण बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। मीटिंग हॉल के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उसे और व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यालय एवं परिसर में साफ-सफाई तथा अभिलेखों के समुचित रख-रखाव पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त मनरेगा मनोज वर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने यू. पी. बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन व पारदर्शी ढंग से कराने का दिया निर्देश

कौशाम्बी, जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने उदयन सभागार में आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यू.पी. बोर्ड) परीक्षा-2026 को सकुशल, नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। बैठक में जोनल, सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों के साथ-साथ परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाय। परीक्षा की शुचिता बनाये रखने हेतु सभी परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाय। किसी भी बाहरी व्यक्ति को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश न दिया जाय तथा केन्द्रों के बाहर अनावश्यक भीड़ एकत्र न होने पाये। सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अपने मोबाइल फोन अपने पास रखें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराएं। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जायेगी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराई जाय। यदि कहीं से नकल की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा करारी में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कौशांबी संबद्ध चिकित्सालय एवं डा0 ए0एच0 रिजवी कालेज करारी के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 32 लोगों ने पंजीकरण कराया जिनमें से 20 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। शिविर का शुभारंभ चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डा. हरिओम कुमार सिंह एवं रिजवी कालेज के प्रधानाचार्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डा. हरिओम कुमार सिंह ने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने सभी स्वस्थ व्यक्तियों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए बताया कि रक्तदान से कई बीमारियों का खतरा भी कम होता है। रक्तदान प्रभारी ने जानकारी दी कि 18 से 65 वर्ष आयु वर्ग का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान के लिए न्यूनतम वजन 45 किलोग्राम होना आवश्यक है। उन्होंने रक्तदान के लाभों के बारे में बताते हुए कहा कि नियमित रक्तदान से हृदयाघात (हार्ट अटैक) की संभावना कम हो सकती है। शिविर में आए सभी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया गया। रक्तकेंद्र प्रभारी डा. रविरंजन सिंह एवं रिजवी कालेज के प्रधानाचार्य ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। रक्तदान करने वालो में मोहम्मद हसन, मोहम्मद हसम अनवर, मुकेश कुशवाहा, महबीश महबूब, जाकिया सुल्ताना, आर्यन केसरवानी, सचिन केसरवानी, आलोक विश्वकर्मा, अभिषेक यादव, सौरभ कुमार, वंदना देवी, अजय कुमार, मयंक सिंह, वेदांत शुक्ला, साहब आलम, तनय जायसवाल, मनीष मौर्य, लख्ते जामीन, हसन अब्बास, मोहम्मद अयान एवं विवेक कुमार रहे।

भवंस प्लेवे स्कूल का भव्य शुभारंभ बाल मेला बना आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी परिसर में सोमवार को भवंस प्लेवे स्कूल का भव्य उद्घाटन कर शुभारंभ हुआ। नन्हे-मुन्ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने के उद्देश्य से प्रारंभ किये गये उक्त प्लेवे स्कूल के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव कैलाश केसरवानी, विद्यालय के निदेशक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सक्सेना, सपा जिला महासचिव गुलाम हुसैन तथा भवन्स डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रबोध श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर प्रोफ़ेसर अरुण सिंह सहित समस्त शिक्षकगण मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कैलाश चंद्र केसरवानी, गुलाम हुसैन एवं प्राचार्य प्रबोध श्रीवास्तव ने कहा कि वे स्वयं सहित मंचासीन कई अतिथि भवन्स मेहता के पूर्व छात्र रहे हैं। उसी संस्था के अंतर्गत प्लेवे स्कूल का शुभारंभ करना उनके लिए गर्व व भावुकता का क्षण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह विद्यालय बच्चों को संस्कारयुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। उद्घाटन उपरांत अतिथियों ने कक्षाओं में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं, सुरक्षित एवं बाल-अनुकूल वातावरण का अवलोकन कर खुशी व्यक्त की। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों से कहा कि वे अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए इस संस्थान पर विश्वास रखें। समारोह के दौरान आयोजित 'बाल मेला' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। शिक्षकों द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न खेल, रचनात्मक गतिविधियाँ और मनोरंजक कार्यक्रमों की आकर्षक व्यवस्था की गयी थी जिसे अभिभावकों एवं अतिथियों ने खूब सराहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक संदीप सक्सेना व प्रधानाचार्य बलैया गंगाराबोयिना ने बताया कि प्लेवे स्कूल में आधुनिक शिक्षण पद्धति, सुरक्षित वातावरण और बाल-केंद्रित शिक्षा प्रणाली के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य सुधाकर सिंह, स्कूल समन्वयक नसीम अंसारी व सभी शिक्षक व अन्य लोग उपस्थित रहे।

संदिग्धावस्था में छात्रा फांसी पर झूली, मौत

बांदा। संदिग्ध परिस्थितियों में बी फार्मा के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे लेने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के कुचेदू गांव निवासी 25 रजनी कांत पुत्र कल्लू रविवार की शाम खेत की सिचाई करने के बाद घर लौटा। इसके बाद वह कमरे में चला गया। जहाँ उसने छत के छल्ले पर मफलर से फांसी लगा ली।काफी देर बाद जब रजनीकांत कमरे से बाहर नही निकला तो मां नथिया और चचेरे भाई विपिन ने अंदर जाकर देखा, तो उसका शव फांसी के फंदे पर लटक रहा था। फंदे से उतारने के बाद उसे सीएचसी बबेरू में भर्ती कराया। हालत गम्भीर होने के कारण डाक्टरों ने उसे जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरो ने देखने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के चचेरे भाई विपिन ने बताया कि रजनी कांत लखनऊ में बी फार्मा की पढाई करता था। उसकी 5 मई को पहाड़ी के बड़े कलवार में शादी होनी थी। 18 फरवरी को उसका दहिनवारा संस्कार था।

पहले निकली शंकर जी की बरात फिर रात में हुआ तिलक और द्वारा चार का कार्यक्रम

- कन्यादान और लावा परसने से लेकर कलेवा कराने और विदाई तक हुई रस्म

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। गाँव में महाशिवरात्रि पर कयी वर्षो से लगातार चली आ रही परम्परा के तहत पहले शिव जी की बरात निकाली गयी और इसके बाद लगन चढ़ाने के बाद द्वारा चार और टीका चढ़ाव का कार्यक्रम भी किया गया ॰ गिरवा थाने के बड़ोखर बुजुर्ग गाँव में कयी वर्षो से चली आ रही परम्परा में रविवार को महा शिवरात्री के दिन भगवान शंकर की बरात निकाली और इसके बाद लगन चढ़ाने के कार्य में गाँव के ही राजारानी शिक्षा समिति के प्रबन्धक राहुल कुमार द्वारा गाँव के ही मुरली मनोहर मंदिर में किया गया और इसके बाद रात में संकट मोचन मंदिर में पहले द्वार चार का कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद द्वारा किया गया और इसके बाद माता पार्वती जी का कन्यादान मुकुंद बिहारी और इनकी पत्नी सुमन द्वारा किया गया और इसके कलेवा में भी सभी आये हुए बारातियों को खाना और जल पान कराया अगया है और भंवरे भी डलवायी गयी इसके बाद माता पार्वती जी की विदायी भी की गयी वही गाँव में रात और दिन दोनों में बहुत ही खुशी का माहौल रहा है वही इस कार्यक्रम बारातियों की संख्या लगभग 10 हजार लोगों की थी वही इसकी सुरक्षा व्यवस्था को गिरवा पुलिस द्वारा भारी पुलिस बल भेज कर कार्यक्रम को संपन्न कराया गया है वही राम कथा के लिए कलश यात्रा का भी आयोजन किया गया ॰ इसके बाद कार्यक्रम आयोजक और संकट मोचन मंदिर के पुजारी तुअल्सीदास जी महाराज ने जानकारी देते हुए बताया की अब सोमवार से राम कथा का योजन भी शुरू हो गया है और सात दिवसीय राम कथा और साथ में महा यज्ञ भी शुरू रहेगा और समापन के बाद क्षेत्र के कयी गाँव के लोग समापन के दिन भंडारा में प्रसाद ग्रहण भी करेंगे ॰ वही इस मौके पर लखना यादव,देवकुमार यादव,अलगरजा यादव,मेष निगम,उत्तम सिंह,धीरज श्रीवास्तव,मन्नूलाल कुशवाहा,लक्ष्मी प्रसाद,गुलाब कुशवाहा आदि लोग मौजूद रहे।

जन आक्रोश यात्रा का कांग्रेसियों ने गर्मजोशी से किया स्वागत

बांदा। वनवासी राम चित्रकूट से रामराजा सरकार ओरछा धाम तक 16 फरवरी से 13 मार्च तक अखण्ड बुंदेलखंड संयोजक भानूसहाय एडवोकेट के नेतृत्व में जन आक्रोश यात्रा निकाली जा रही है, इसी क्रम में जन आक्रोश यात्रा के बांदा आगमन पर कंाग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित द्वारा यात्रा में शामिल सभी का माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।कंाग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में मोर्चा संयोजक भानूसहाय एडवोकेट सहित समस्त पदाधिकारी न्यायालय परिसर पहुंच कर नवनियुक्त जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष विमल सिंह एडवोकेट व महामंत्री राजेश कुमार त्रिपाठी एडवोकेट का माल्यार्पण कर पृथक राज्य बुंदेलखंड प्रान्त निर्माण के लिए समर्थन मांगा जिस पर अधिवक्ता संघ अध्यक्ष विमल सिंह एडवोकेट द्वारा बार संघ पदाधिकारियों के साथ बुंदेलखंड राज्य निर्माण के लिए पूर्ण समर्थन व्यक्त किया गया, साथ ही प्रधानमंत्री के लिए अनुरोध पत्र भेजे जाने की बात कही गई। कंाग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि कंाग्रेस प्रदेश अध्यक्ष माननीय अजय राय पूर्व मंत्री द्वारा बुंदेलखंड राज्य निर्माण हेतु अपना समर्थन दिया गया है।

महिला वैश्य समाज ने गरीब बेटी की शादी में दिया सहयोग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाँदा। महिला वैश्य समाज उत्तर प्रदेश की बाँदा इकाई की जिला अध्यक्ष अंजुरानी दमेले के नेतृत्व में गरीब बेटी की शादी के लिए दिया गया सहयोग । बाँदा के दुरेड़ी गांव के निवासी स्व0 कारेलाल प्रजापति की बेटी की शादी 25 फरवरी को होनी है परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नही थी जब ये जानकारी महिला वैश्य समाज की जिला अध्यक्ष तक पहुंची तो उन्होंने संगठन की सभी महिलाओं को बुलाकर मीटिंग की और आज उस गरीब बेटी को शादी के लिए जरूरी सामान और कुछ आर्थिक सहयोग किया । इस सहयोग के लिए लड़की की माँ बुधिया देवी, भाई कुबेर ने संगठन का आभार्य व्यक्त किया । इस कार्य मे संगठन की जिला अध्यक्ष अंजुरानी दमेले, ममता नगरिया, नीलिमा पुरवार, नम्रता गोयल, वैशाली ओमर, ज्योति पुरवार, सरिता सोनी, दीपाली ओमर, रजनी गुप्ता, सुनीता गुप्ता, शोभा गुप्ता आदि ने सहयोग किया ।

सीसी रोड निर्माण में हुआ घटिया सामग्री का प्रयोग

- किसान नेता ने एसडीएम पैलानी से की शिकायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। घटिया सामग्री से हुए सीसी रोड निर्माण कार्य की शिकायत आज किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले ने एसडीएम पैलानी से ज्ञापन के माध्यम से की। जसपुरा ब्लाक के चंदवारा, गौरीखुर्द ग्राम पंचायतों में क्षेत्र पंचायत निधि से बनी लगभग 06 से 07 सीसी सड़कों में संबंधित फर्म (ठेकदारों) द्वारा कराए गए घटिया निर्माण व व्यापक पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार की टीएसी जांच (तकनीकी सलाहकार समिति से करने की मांग ।ग्राम पंचायत चंदवारा में रामबरन की पुलिया से छोटू लम्बरी के दरवाजे तक संतराम प्रजापति के दरवाजे से रामकिशोर पाल के दरवाजे तक खाले थोक में रामचंद्र के बंगले से सुनील सिंह के दरवाजे तक रामभरोसा सिंह के दरवाजे से नीचे ट्रांसफार्मर तक ग्राम पंचायत गौरी खुर्द में हनुमान जी के मंदिर से मुख्य सड़क तक इन सड़कों का निर्माण जो भी ठेकेदार द्वारा कराया गया है उसमें कुल लागत का बहुत कम पैसा लगाया गया है।और जनता के विकास के पैसे में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। इन भ्रष्टाचारों में कार्यदाई संस्था (ठेकदारों) के साथ तकनीकी प्रभारी; (जे ई); ब्लॉक प्रमुख सहित तमाम विकास खंड और जिले के विभागीय अधिकारी शामिल होने का आरोप लगा है।

सभी सीसी सड़कों के निर्माण को अभी ज्यादा समय नहीं नहीं हुआ लेकिन मानक के अनुसार काम नहीं होने से ये सड़के कई जगह से टूट चुकी हैं या फिर उखड़ कर इनमें दरार आ गई है ! इन रोड़ों में नीचे न तो बेस है और न ही मानक के अनुसार मसाला ग्रामीणों ने उक्त ठेकेदारों से सही काम कराने को कहा तो जहां शिकायत करना है कर दो मेरा क्या बिगाड़ लोगे नहीं तो काम बंद करा कर ये सड़क दूसरी जगह डाल दूंगा जब सभी सीसी सड़कों की शिकायत किसान नेता ने फोन; वाट्सअप द्वारा जसपुरा ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी को किया तो बीडीओ साहब और तकनीकी प्रभारी (जेई) दोनों ग्राम पंचायतों के काम देखने भी आए तो बीडीओ जसपुरा के शब्द क्या थे इस वीडियो में आप भी सुनिए । कहा कि सड़क सब अच्छी हैं अगर आपको जांच कराना है तो जिले के अधिकारियों से मिलकर तकनीकी जांच कराएं मैं कुछ नहीं कर सकता।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक समस्याओं को लेकर संघ ने बीएसए से की मुलाकात

उन्नाव। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, जनपद उन्नाव के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष अनुपम मिश्र के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) से भेंट कर विभिन्न शिक्षक समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठता सूची में विसंगतियों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि हाल ही में जारी की गई वरिष्ठता सूची प्रथम दृष्टया असंगत एवं त्रुटिपूर्ण है। प्रविष्टियों के अनुरूप वरिष्ठता क्रमांक निर्धारित नहीं किया गया है, जिससे शिक्षकों में असंतोष व्याप्त है। सूची का पुनरीक्षण कर त्रुटियों को तत्काल ठीक करने की मांग की गई। इसके अतिरिक्त पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के शिक्षक संगठनों की मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश तथा उनके निर्देश पर महानिदेशक, स्कूल शिक्षा के साथ हुई वार्ता में यह सहमति बनी थी कि संगठन प्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों और शिक्षाविदों की एक समिति गठित कर उसके निर्णय के बाद ही डिजिटल उपस्थिति लागू की जाएगी। तब तक इस प्रक्रिया को स्थगित रखा जाएगा। संघ ने मांग की कि जनपद के शिक्षकों पर डिजिटल छात्र उपस्थिति के लिए किसी प्रकार का दबाव न बनाया जाए।

डीएम ने पैलानी तहसील का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

बांदा। जिलाधिकारी जे.रीभा ने तहसील पैलानी का निरीक्षण किया। उन्होंने तहसील की विभिन्न पटलों खतौनी नकल पटल, राजस्व निरीक्षण पटल, संग्रह अधिष्ठान पटल, नजारत एवं लेखपाल कक्ष का गहनता से निरीक्षण करते हुए पटल सहायकों से किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व वादों की समीक्षा करते हुए एक वर्ष से अधिक समय के वादों का शीघ्रता से निस्तारण करने के निर्देश दिये। वसूली की समस्या में पाया गया कि 92 प्रतिशत वसूली की गयी है। उन्होंने बैंक एवं विद्युत देयकों की वसूली भी करने के निर्देश दिये। दस बडे बकायेदारों की वसूली की समीक्षा करते हुए बकायेदारों से वसूली करने के निर्देश दिये।

धूमधाम से मनाई गई शिवरात्रि पर बरम देव बाबा धाम की प्रथम वर्षगांठ

- पूजा-अर्चना, आल्हा गायन और भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हसनगंज। विकास खण्ड हसनगंज की ग्राम पंचायत सिंघनापुर के राजस्व ग्राम करसे मऊ में ग्राम प्रधान तारावती पाल और आम जन सहयोग से निर्मित बरम देव बाबा धाम की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ शिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोहान विधायक ब्रजेश रावत के प्रतिनिधि अरुण दीक्षित पहुंचे। ग्राम प्रधान तारावती पाल की अध्यक्षता में मंदिर में स्थापित सभी देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। शिवलिंग पर बेल पत्र अर्पित कर जलाभिषेक किया गया तथा सभी देव प्रतिमाओं की सामूहिक आरती संपन्न हुई।

इस पावन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। रायबरेली से पधारे आल्हा सम्राट जयशंकर त्रिवेदी की टीम ने आल्हा गायन प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आल्हा गायन के दौरान नशा मुक्त समाज का संदेश भी दिया गया। जब उन्होंने गाया, ल्लबीड़ी तमाखू कबहू न छुयो, न दारू के लगायो हाथङ्क, तो श्रोता तालियां बजाने पर मजबूर हो गए।

इस मौके पर ग्राम प्रधान पुत्र और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनोद कुमार ने प्रसाद स्वरूप सभी श्रद्धालुओं को एक-एक कैलेंडर भेंट किया।

कार्यक्रम के अंत में भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें लगभग पांच सैकड़ा लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर लखनऊ से नागेंद्र और अंकित, कानपुर से संतोष, ब्लॉक पुरवा के ग्राम नाथी खेड़ा से अंशुल पाल व विजय पाल, ब्लॉक बिछिया की ग्राम पंचायत मवैया के ग्राम प्रधान मनोज पाल, मियागंज से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी पद से सेवानिवृत्त अनिल शर्मा, अनित रावत सहित नारायणपुर, सनदाना, सुंदरपुर, बाराबुजुर्ग, भिखारी खेड़ा, सिंघनापुर, नेवाज खेड़ा, दुर्जन खेड़ा, भौली, कोडरा, लखौरा सहित लगभग पांच सैकड़ा लोग इस महोत्सव में शामिल हुए।

कार्यक्रम समापन के अवसर पर प्रधान पुत्र पुत्तन लाल पाल ने सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए धन्यवाद दिया।

नगर निकायों के कार्यों की डीएम ने की समीक्षा, अधिशासी अधिकारियों को चेताया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में नगर निकायों द्वारा कराए जा रहे कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिका व नगर पंचायतों के कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी बड़े धार्मिक स्थल–मंदिर, मस्जिद, प्रमुख चौराहों, तिराहों और पड़ाव स्थलों पर प्राथमिकता के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि इन स्थलों का चिन्हांकन कर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सके।

डीएम ने कहा कि सभी पड़ाव स्थलों पर पेयजल, शौचालय, छाया और प्रकाश की उत्तम एवं मानक व्यवस्था होनी चाहिए। वहां एक सूचना बोर्ड लगाया जाए, जिसमें वसूली की दर सूची और आवश्यक कार्यों के लिए संबंधित मोबाइल नंबर अंकित हों। उन्होंने चेतावनी दी कि व्यवस्थाओं का जल्द निरीक्षण कर सत्यापन किया जाएगा। साथ ही वहां तैनात कर्मचारियों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नगर निकायों में संचालित एमआरएफ सेंटर व सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट की स्थिति की समीक्षा की।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

1.	ई-निविदा सूचना सं.	1204-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक 16.02.2026
2.	कार्य का नाम	ADEN-HQ/LKO के अंतर्गत SSE-W-AMV-WEST के क्षेत्र में 3BN RPSF/LKO में पुराने भवन के स्थान पर नए प्रशासनिक भवन के निर्माण के संबंध में विद्युत कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रु. 23,75,263.40 [illegible]
4.	ई-निविदा की कीमत	शून्य
5.	बयाना राशि	रु. 47,600/- (सैंतालीस हजार छह सौ रुपये मात्र)
6.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
7.	ई-निविदा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 11.03.2026 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8.	प्रस्ताव की वैधता	ई-निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
9.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

सूचना सं.: 1204-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ
दिनांक: 16.02.2026

520/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जेष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक ने बसंतकालीन गन्ना बुवाई अभियान को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। जनपद खीरी में बसंतकालीन गन्ना बुवाई को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड की पलिया यूनिट द्वारा किसान जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ चीनी मिल गेट से जेष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मिथिलेश पांडेय एवं केन हेड राजीव तोमर ने फीता काटकर तथा हरी झंडी दिखाकर किया। यह अभियान जिला गन्ना अधिकारी के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर जेष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक ने किसानों को विभाग द्वारा स्वीकृत उन्नतशील गन्ना प्रजातियों की अधिक से अधिक क्षेत्रफल में बुवाई करने तथा बीज सुरक्षित रखने की सलाह दी। केन हेड राजीव तोमर ने बताया कि यह जागरूकता रैली चीनी मिल परिक्षेत्र के सैकड़ों गांवों से होकर गुजरेगी और किसानों को बसंतकालीन गन्ना बुवाई के प्रति जागरूक करेगी। रैली के दौरान चीनी मिल प्रबंधन एवं गन्ना विभाग के अधिकारी किसानों को वैज्ञानिक विधि से खेती, स्वस्थ व निरोग गन्ना उत्पादन के बारे में जानकारी देंगे। महाप्रबंधक गन्ना ने किसान भाइयों से अपील की कि वे उन्नतशील गन्ना प्रजातियों जैसे को0 0118, को0 15023, कोलख0 14201, कोशा0 13235 तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में को0 98014, कोलख0 94184 की बुवाई कर अधिक पैदावार प्राप्त करें। साथ ही प्रतिबंधित एवं अनामित गन्ना प्रजातियों की बुवाई न करने की भी सलाह दी गई। चीनी मिल द्वारा इन प्रजातियों का प्रमाणित बीज उपलब्ध कराया जा रहा है।

बताया गया कि यह रैली 15 दिनों तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार वाहन व गोष्ठियों के माध्यम से चलेगी। इसमें ट्रेंच विधि से गन्ना बुवाई के लाभ, पेड़ी फसल से अधिक उत्पादन, भूमि शोधन हेतु ट्राइकोडर्मा तथा बीज शोधन के लिए फफूंदीनाशक के प्रयोग की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में जितेंद्र सिंह राना, प्रवीन खोखर, अशोक मौर्य सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीएलओ की नियुक्ति को लेकर सपाइयों ने सौंपा ज्ञापन

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला विधानसभा क्षेत्र की ब्लॉक बांकेगंज ग्राम पंचायत जलालपुर के बूथ संख्या 186 पर बीएलओ उपलब्ध न होने से नाराज समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने तहसील पहुंचकर नायब तहसीलदार के माध्यम से मुख्य राज्य निर्वाचन अधिकारी, लखनऊ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मतदान संबंधी कार्यों में आ रही परेशानियों का हवाला देते हुए शीघ्र बीएलओ नियुक्ति की मांग की गई। इस दौरान समाजवादी पार्टी के मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष खुर्शीद अहमद मौजूद रहे। साथ ही पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव प्रवीण कश्यप 'बाबू' और अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव आलोक वाल्मीकि भी शामिल हुए। पूर्व विधानसभा महासचिव मेराज खां, यूथ ब्रिगेड के विधानसभा अध्यक्ष दानिश खां, मुन्ना, मुजीब खान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिट्टी लदे डंपरों का कहर: चार दशक पुरानी पुलिया जर्जर

सैकड़ों गांवों का संपर्क खतरे में

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। केशवापुर, सदर तहसील और गोला गोकरनाथ की सीमा से निकलने वाले नाले पर शेरपुरऽबांसगांव मार्ग स्थित लगभग चार दशक पुरानी पुलिया भारी-भरकम मिट्टी लदे डंपरों के लगातार व अंधाधुंध आवागमन से गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिया के पिलरों में गहरी दरारें उभर आई हैं, जिससे कभी भी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार देवकली ईंट भट्ठा के लिए हो रहे खनन में मिट्टी ढोने हेतु डंपरों का लगातार संचालन किया जा रहा है। इन भारी वाहनों के कारण पहले से जर्जर पुलिया और अधिक कमजोर हो गई है। साथ ही क्षेत्र की प्रमुख सड़कें–सेमरईऽजमालपुर और मदारपुर बसहीऽदेवकली पक्का मार्ग–भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। यह पुलिया दर्जनों गांवों और तहसीली सीमाओं को जोड़ने वाली अहम कड़ी है। इसके टूटने या बंद होने की स्थिति में सैकड़ों गांवों का सीधा संपर्क टूट जाएगा, जिससे दैनिक आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार पर गंभीर असर पड़ेगा। लोक जनसंघर्ष पार्टी के महासचिव रामनिवास शुक्ल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने तत्काल निरीक्षण, पुलिया की मरम्मत, और भारी वाहनों के आवागमन पर नियंत्रण की मांग की है, ताकि किसी अनहोनी से पहले जनहित में ठोस कार्रवाई हो ।

शिव भक्ति में लीन हुआ नगर, महिला मोर्चा ने रचा सेवा और श्रद्धा का अनुपम उदाहरण

- महाशिवरात्रि पर शिव बारात में भव्य आरती व प्रसाद वितरण, जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर जिला एवं नगर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा नगर अध्यक्ष माला शास्त्री के नेतृत्व में शिव बारात के अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी देवी-देवताओं की विधिवत आरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। श्रद्धा, उत्साह और उल्लास से परिपूर्ण वातावरण में आयोजन संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विधायक योगेश वर्मा उपस्थित रहे। उनके साथ जिला महामंत्री मीनू गुप्ता, जिला कार्यालय प्रभारी अनीता निगम, जिला मंत्री उमा राज, गरिमा अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में सदस्य पूनम गुप्ता, किरन गुप्ता, रानी वैश्य, रीना गुप्ता एवं महिला मोर्चा की समस्त सदस्याओं ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सेवा, समर्पण और सहयोग से आयोजन को सफल बनाया। आरती के दौरान दीपों की लौ, मंत्रोच्चार और भक्तों की आस्था ने पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया।

इंद्रेश कुमार के जन्मदिन पर लखीमपुर में उमड़ा 'सद्भावना' का सैलाब

गोला गोकर्णनाथ खीरी। जब इरादे नेक हों और मंशा भाईचारे की हो, तो इबादतगाहें दिलों को जोड़ने का सबसे बड़ा केंद्र बन जाती हैं। लखीमपुर खीरी में आज ऐसी ही एक रूहानी और सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल देखने को मिली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ट्टट्ट) के वरिष्ठ प्रचारक एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (ख़टख़) के मार्गदर्शक डॉ. इंद्रेश कुमार के जन्मदिन को देशभर में 'सद्भावना सप्ताह' के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद की सुप्रसिद्ध मथना शरीफ मस्तान मियां की दरगाह पर अकीदत के साथ 'सद्भावना चादर' पेश की गई। दुआओं में अमन, भाईचारे और दीर्घायु का पैगाम गूंज उठा। इस अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रांत संयोजक शेर अली खान ने कार्यकर्ताओं के साथ दरगाह पहुंचकर चादरपोशी की। सभी ने डॉ. इंद्रेश कुमार के उत्तम स्वास्थ्य और लंबी उम्र की दुआ मांगी। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सद्भाव, संवाद और सम्मान से ही समाज में स्थायी शांति और एकता का मार्ग प्रशस्त होता ।

सफाई मित्रों व पालिका कर्मियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर

271 मरीजों का हुआ परीक्षण व उपचार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। नगर पालिका परिसर में सफाई मित्रों तथा समस्त पालिका कर्मचारियों/अधिकारियों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया और स्वास्थ्य

कर्मियों की इस जनहितकारी पहल की सराहना की शिविर में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ. आर.एम. गुप्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी/डिप्टी सीएमओ डॉ. लालजी पासी तथा डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रमोद वर्मा सहित कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने व्यापक स्तर पर जांच और उपचार सेवाएं प्रदान कीं।

जांच व उपचार का विवरण शिविर में कुल 271 मरीजों की ओपीडी की गई। इस दौरान 32 टीबी जांच, 46 एक्स-रे, 110 लोगों की बीपी व शुगर जांच तथा 30 मलेरिया जांच की गई। जांच के उपरांत आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। इसके साथ ही 11 आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए, जिससे कर्मचारियों को भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

जागरूकता पर जोर, सीएमओ का आभार नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने कहा कि सफाई मित्र अक्सर अपने स्वास्थ्य के प्रति उतने सजग नहीं रहते, ऐसे में एक ही स्थान पर विभिन्न जांच व उपचार की सुविधा मिलना अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने इस विशेष स्वास्थ्य शिविर के आयोजन हेतु सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता का आभार व्यक्त किया और सभी कर्मचारियों से अपने व परिवार के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने भी ऐसे शिविरों को समय पर रोग पहचान और गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण बताया। बड़ी संख्या में सफाई मित्रों व कर्मचारियों की सहभागिता ने शिविर की सफलता को रेखांकित किया।

ग्राम बौठा में नर्मदेश्वर महादेव शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ

- कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ तीन दिवसीय अनुष्ठान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। फरधान क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बौठा में नर्मदेश्वर महादेव शिवलिंग की तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सोमवार 16 फरवरी को भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। प्रथम दिवस जलाधिवास के अवसर पर सैकड़ों महिलाऽपुरुष श्रद्धालुओं ने देवकली तीर्थ से पवित्र जल भरकर आचार्यों के मंत्रोच्चारण, हवन व पूजन के साथ अनुष्ठान की शुरुआत की। आयोजक शरद कुमार पांडे ने बताया कि प्रथम दिवस जलाधिवास व वेदी पूजन सम्पन्न हुआ।

द्वितीय दिवस अन्नाधिवास व मिष्ठानवास आयोजित किया जाएगा, जबकि तृतीय दिवस 18 फरवरी को शोभायात्रा के साथ प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी तथा भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कलश यात्रा में सुबोध कुमार पांडे, वीरेंद्र अवस्थी, अमित मिश्रा, विद्यानिवास पांडे, लक्ष्मीनिवास पांडे, नीतीश पांडे, देवेश पांडे सहित सैकड़ों भक्तों ने सहभागिता की।

मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

थाना फरधान पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में जनपद में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक खीरी (पूर्वी) के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक थाना फरधान के नेतृत्व में दिनांक 16.02.2026 को थाना फरधान पुलिस ने 01 नफर वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त सुन्दर पुत्र कालू, निवासी सासिया कालोनी देवकली, थाना फरधान, जनपद खीरी है। अभियुक्त के विरुद्ध मु0सं0 743/08 (धारा 60(2) आबकारी अधिनियम), मु0सं0 7358/23 (धारा 60(2) आबकारी अधिनियम) तथा मु0सं0 1036/11 (धारा 60(2) आबकारी अधिनियम) में वारंट जारी थे। गिरफ्तारी के उपरांत विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में म0उ0नि0 महादेवी, का0 सतपाल सिंह, थाना फरधान शामिल रहे।

अज़ान कस्बे में अवैध मिट्टी खनन पर सवाल, हादसे का बढ़ता खतरा

सरकार को लाखों के राजस्व नुकसान की आशंका

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान, खीरी। जनपद खीरी जिले के हैदराबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत अज़ान पुलिस चौकी के दायरे में अवैध मिट्टी खनन और परिवहन का कारोबार कथित तौर पर धड़ल्ले से जारी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस अवैध गतिविधि को लेकर चौकी पुलिस की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार सुबह करीब 4 बजे से 10 बजे तक मिट्टी से लदी दर्जनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियां कस्बे की मुख्य सड़कों से गुजरती हैं। भारी वाहनों की आवाजाही से किसी भी समय बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है, बावजूद इसके कथित तौर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। बताया जा रहा है कि अवैध खनन का कार्य ढकवा चौकी क्षेत्र के सेमरई गांव से किया जा रहा है। वहां से निकाली गई मिट्टी को अज़ान कस्बे में बन रहे प्लाटों व निर्माण स्थलों में डाला जा रहा है। आरोप है कि यह पूरा कारोबार संगठित तरीके से चल रहा है।

इस अवैध खनन से सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपये के राजस्व नुकसान की आशंका जताई जा रही है। साथ ही कस्बे की पक्की सड़कें मिट्टी से पट जाने के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है और आमजन को परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों में प्रशासन की निष्क्रियता को लेकर रोष व्याप्त है। लंबे समय से चल रही इस गतिविधि पर अब तक ठोस कार्रवाई न होने से खनन माफियाओं के हौसले बुलंद बताए जा रहे हैं। इस संबंध में उप जिलाधिकारी गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी और यह देखा जाएगा कि संबंधित लोगों के पास वैध कागजात हैं या नहीं। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इस गंभीर प्रकरण पर कब और क्या कार्रवाई करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर चालक की सड़क हादसे में मौत परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना नीमगांव क्षेत्र के सिकन्द्राबादऽकस्ता मार्ग पर पिपरी गांव के पास शनिवार रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में गन्ना बेचकर लौट रहे ट्रैक्टर चालक जयदीप कुमार (निवासी जिगनहा खानपुर, थाना हैदराबाद) की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल जयदीप को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर लखनऊ रेफर किया गया। लखनऊ स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचते ही उन्होंने दम तोड़ दिया। बताया गया कि जयदीप कुमार शनिवार रात परसेहरा क्रेशर से ट्रैक्टर-ट्रॉली में गन्ना बेचकर घर लौट रहे थे। पिपरी गांव के पास अचानक किसी अज्ञात वाहन ने उनके ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर की बगल वाली सीट पर बैठे अनिकेश को मामूली चोटें आईं। रविवार को लखनऊ मेडिकल कॉलेज में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जयदीप की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी पत्नी शांति देवी और ढाई साल का मासूम बेटा अब बेसहारा हो गए हैं। गांव में शव पहुंचते ही मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। इस हृदयविदारक हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

अल्ट्रासाउंड सेंटर का अवैध संचालन, जिलाधिकारी से की गई शिकायत

लखीमपुर खीरी। जनपद के बेहजम क्षेत्र में स्थित श्री बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर के कथित अवैध संचालन को लेकर प्रथम संचालक डॉ. मनीष सिन्हा ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर जांच व कड़ी कार्रवाई की मांग की है। डॉ. मनीष सिन्हा का कहना है कि सेंटर पर योग्य एवं पंजीकृत डॉक्टर की उपलब्धता न होने के कारण उन्होंने पूर्व में शपथ पत्र के माध्यम से मुख्य चिकित्साधिकारी को सेंटर बंद करने की सूचना दे दी थी। इसके बावजूद भी बिना पंजीकृत डॉक्टर की उपस्थिति में अल्ट्रासाउंड सेंटर का संचालन किया जा रहा है, जो नियमों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि द्वितीय संचालक नंद कुमार वर्मा द्वारा अयोग्य व्यक्तियों से अल्ट्रासाउंड कराया जा रहा है। स्थानीय निवासी होने का लाभ उठाकर वह जबरन सेंटर चला रहा है, जिससे शासन के निर्देशों और स्वास्थ्य मानकों की अनदेखी हो रही है। डॉ. सिन्हा ने जिलाधिकारी से मांग की है कि सेंटर का औचक निरीक्षण कराया जाए, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो और अवैध रूप से संचालित सेंटर का पंजीकरण तत्काल निरस्त किया जाए। इस प्रकरण को लेकर स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कितनी शीघ्रता से ठोस कदम उठाता है।

बांदा में लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता पर करोड़ों के गबन का आरोप

बांदा। भ्रष्टाचार का मामला थामने का नाम नही ले रहा है जिसको लेकर जिला अधिकारी से कयी लोगों ने मांग करते हुए कहा है की इन कार्यों की जांच करायी जाए क्योंकि करोड़ों रुँपये का घोटाला है म बुन्देलखण्ड न्याय मोर्चा के अध्यक्ष मोहनलाल वर्मा ने जिलाधिकारी बांदा को पत्र भेजकर लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता श्री अजय कुमार पर करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार और गबन के गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्र में दावा किया गया है कि श्री अजय कुमार ने ठेकेदारों से साठगांठ कर सरकारी खजाने को भारी क्षति पहुंचाई है। उन्होंने चहेते ठेकेदारों को 2022-23 और 2023-24 में अनियमित भुगतान किए, जिसमें कुल लगभग 99.76 लाख रुपये का संदिग्ध गबन बताया गया है । शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि विभागीय जांच में आरोप प्रमाणित पाए गए, लेकिन प्रभाव से जांच प्रभावित की जा रही है। अजय कुमार ने राजनीतिक दबाव से कई बार स्थानांतरण टलवाया और अभी तक नए स्थान पर कार्यभार नहीं ग्रहण किया है।

महाशिवरात्रि पर ब्रह्माकुमारीज ने दिया आत्मपरिवर्तन का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा मुन्नूगंज स्थित स्थानीय सेवा केंद्र पर आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आत्मपरिवर्तन, नैतिक मूल्यों और राजयोग ध्यान के माध्यम से जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा ने कहा कि महाशिवरात्रि आत्मचिंतन और आत्मजागृति का पर्व है। यदि व्यक्ति स्वयं को बदलने का संकल्प ले, तो समाज में व्यापक परिवर्तन संभव है। उन्होंने युवाओं से संयमित जीवनशैली अपनाने और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता सुर्जन लाल वर्मा ने कहा कि आध्यात्मिक चेतना ही परिवार और समाज को मजबूत बनाती है। उन्होंने बताया कि तनाव और भौतिकता से भरे वर्तमान दौर में आध्यात्मिक मार्ग ही स्थायी शांति का आधार है। पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. लखपति राम वर्मा ने शिव को शांति, शक्ति और सदाचार का प्रतीक बताते हुए शिक्षा के साथ संस्कारों के समावेश पर बल दिया। डॉ. रविंद्र नाथ ने कहा कि महाशिवरात्रि आत्मा की शुद्धि और जीवन में अनुशासन का संदेश देती है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। शिव संदेश के माध्यम से बताया गया कि शिव का अर्थ कल्याणकारी है और सच्चा उपवास बुराइयों का त्याग है।

बीके राधेश्याम ने संस्था का परिचय देते हुए ब्रह्माकुमारीज द्वारा संचालित आध्यात्मिक, नशामुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी और अंत में सभी अतिथियों व श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके उपरांत ब्रह्माभोज का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में संपन्न ।

मैगलगंज में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सेठ जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता की स्मृति में भव्य स्मृति द्वार का अनावरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मैगलगंज में औरंगाबाद-लखीमपुर रोड पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय सेठ जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता की स्मृति में निर्मित भव्य स्मृति द्वार का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। यह स्मृति द्वार उनके राष्ट्रसेवा, त्याग और बलिदान को समर्पित है। इस सराहनीय पहल के लिए क्षेत्रवासियों ने लखीमपुर के लोकप्रिय जननेता, भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अनूप गुप्ता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि सेठ जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने। उनके सम्मान में स्मृति द्वार का निर्माण आने वाली पीढ़ियों के लिए देशभक्ति और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को जीवंत रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आयरलैंड पर जीत दर्ज करके सुपर आठ की उम्मीद जीवंत रखने उतरेगा जिम्बाब्वे

एजेंसी

पल्लीकल (श्रीलंका)। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर शानदार जीत के बाद जोश से भरी जिम्बाब्वे की टीम मंगलवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप में आयरलैंड के खिलाफ अपनी लय बरकरार रखकर पहली बार सुपर आठ में जगह बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। आयरलैंड पर जीत से जिम्बाब्वे के छह अंक हो जाएंगे लेकिन तब भी उसकी ग्रुप बी से सुपर आठ में जगह पक्की नहीं होगी। ऑस्ट्रेलिया (दो मैचों में दो अंक) और श्रीलंका (दो मैचों में चार अंक) अब भी छह अंक तक पहुंच सकते हैं। उस स्थिति में नेट रन रेट निर्णायक होगा। जिम्बाब्वे अपना आखिरी ग्रुप मैच 19 फरवरी को कोलंबो में

मेजबान श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। अगर जिम्बाब्वे सुपर आठ में पहुंच जाता है तो यह सात प्रयासों में पहली बार होगा जब उसकी टीम इस चरण में जगह बनाएगी। टूर्नामेंट में अब तक जिम्बाब्वे का प्रदर्शन शानदार रहा है। उसके तीन तेज गेंदबाजों रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी और ब्रैड इवांस ने कोलंबो में खेले गए अपने पहले मैच में तीन तीन विकेट लेकर ओमान को केवल 103 रन पर आउट कर दिया था। ब्रायन बेनेट (48 नाबाद) की अगुवाई में उसके बल्लेबाजों को आठ विकेट से जीत हासिल करने के लिए केवल 13.3 ओवरों की जरूरत पड़ी। इसके बाद जिम्बाब्वे टूर्नामेंट में दिग्गज टीमों को हराने वाली टीम के रूप में उभरी। उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो विकेट पर 169 रन बनाए और फिर विपक्षी टीम को सिर्फ 146 रन पर आउट कर 23 रन से जीत हासिल की। ओपनर बेनेट ने एक बार फिर बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 64 रन बनाए, जबकि मुजरबानी और इवांस ने क्रमशः चार और तीन विकेट लेकर बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। चोटों से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम इस टूर्नामेंट में कमजोर नजर आ रही है, लेकिन उसके जैसी शीर्ष टीम को हराने से जिम्बाब्वे को आयरलैंड के खिलाफ होने वाले मैच से पहले एक बड़ा मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा। टीम प्रबंधन बेनेट से उम्मीद करेगा कि वे अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखें। सलामी बल्लेबाज तादिवानाशे मारुमानी, रयान बर्ल और कप्तान सिकंदर रजा जैसे अन्य बल्लेबाजों ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और वे आयरलैंड के खिलाफ मैच में भी उसी लय को बनाए रखना चाहेंगे। दूसरी ओर आयरलैंड ओमान पर आसान जीत के बाद इस मैच में उतरेगा। मेजबान श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच हारने के बाद वह टूर्नामेंट का अंत जीत के साथ करना चाहेगा। जिम्बाब्वे की तुलना में आयरलैंड के लिए दांव पर कुछ खास नहीं लगा है लेकिन वह जीत हासिल करके जिम्बाब्वे के सुपर आठ में जगह बनाने की संभावनाओं को जटिल बना सकता है। आयरलैंड को शुक्रवार को एक बड़ा झटका लगा क्योंकि उसके कप्तान पॉल स्टर्लिंग दाहिने घुटने में चोट के कारण टी20 विश्व कप के शेष मैचों से बाहर हो गए।

भारत के खिलाफ हार के बाद बाबर को टीम से बाहर करने की मांग उठी

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान की टी20 विश्व कप के मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से 61 रन की हार के बाद स्टार बल्लेबाज बाबर आजम आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं तथा देश के कई पूर्व खिलाड़ियों ने कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ उन्हें भी टीम से बाहर करने की मांग की है।

पूर्व कप्तान बाबर, शादाब खान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी जैसे अनुभव खिलाड़ी रविवार रात कोलंबो में खेले गए एकतरफा मुकाबले में उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (40 गेंदों में 77 रन) ने पाकिस्तानी गेंदबाजी की जमकर धुलाई की। दूसरी तरफ भारत के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के सामने पाकिस्तान के बल्लेबाज बगलें झांकते हुए नजर आए। पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा, ''अगर यह मेरे हाथ में होता तो मैं बाबर, शादाब और शाहीन को दोबारा टी20 टीम में नहीं चुनता। उन्हें पाकिस्तान के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के कई मौके मिले हैं, लेकिन कल वे फिर से नाकाम रहे। अफरीदी ने कहा कि अब इस टी20 प्रारूप में युवा खिलाड़ियों को तैयार करने का समय आ गया है। शाहीन ने दो ओवर में 31 रन लुटाए वहीं बाबर को अक्षर पटेल ने पांच रन पर आउट किया। पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद हार पर विस्तार से बोलने को तैयार नहीं थे, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान की क्रिकेट टीम दबाव में आने पर चुनौती पेश करने में नाकाम रही है। मियांदाद ने कहा, ''भाई बड़े मैचों में ही खिलाड़ियों को अपना जज्बा दिखाना होता है। हमारे खिलाड़ी ऐसा नहीं कर पाए।''

नेपाल की कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगा स्कॉटलैंड

एजेंसी

मुंबई। पिछले मैच में इटली पर बड़ी जीत से उत्साहित स्कॉटलैंड की टीम नेपाल के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। इंग्लैंड अगर सोमवार को इटली को हरा देता है तो वह ग्रुप सी में वेस्टइंडीज के बाद ऊपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बन जाएगी। इससे स्कॉटलैंड बाहर हो जाएगा। नाटकीय परिस्थितियों में प्रतियोगिता में शामिल होने वाला स्कॉटलैंड हालांकि संघर्षरत नेपाल के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए प्रतिबद्ध होगा। बेहतर नेट रन रेट (0.359) होने के बावजूद स्कॉटलैंड तीसरे स्थान पर है क्योंकि तीन मैचों में उसके केवल दो अंक हैं। इंग्लैंड (-0.143) के तीन मैचों में दो जीत और एक हार के साथ चार अंक हैं। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज से करारी हार के बावजूद स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया। नेपाल की टीम अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है और उसके खिलाफ स्कॉटलैंड न केवल अपनी जीत की उम्मीद करेगा बल्कि अपने नेट रन रेट में सुधार करने की भी कोशिश करेगा। लेकिन इससे पहले उसे दुआ करनी होगी कि इटली की टीम इंग्लैंड को उलटफ़ेर का शिकार बना दे। लेकिन अगर यह टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड की आखिरी मैच साबित होता है तो वे जीत के साथ विदाई लेना चाहेंगे। हालांकि इसके लिए उसे बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में निरंतरता बनाए रखनी होगी। इटली (10 विकेट से) और वेस्टइंडीज (नौ विकेट से) के हाथों मिली करारी हार से नेपाल की प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास दोनों को भारी झटका लगा है। इंग्लैंड के खिलाफ प्रेरणादायक शुरुआत करने वाली और पर महज चार रन से हारने वाली नेपाल की टीम की अगले चरण में पहुंचने की संभावना पहले ही खत्म हो गई है और उसकी टीम अब बेखौफ क्रिकेट खेल कर जीत के साथ अंत करने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

शतरंज के शहंशाह विश्वनाथन आनंद

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्वनाथन आनंद वह नाम हैं, जिन्होंने भारत को विश्व शतरंज के मानचित्र पर स्थायी पहचान दिलाई। जिस दौर में शतरंज देश में सीमित वर्ग तक ही सिमटा हुआ था, उस समय आनंद ने अपने अद्वितीय कौशल, कठोर अनुशासन और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित किया। आज शतरंज में भारत का नाम विश्व शक्ति के रूप में है उसका पूरा श्रेय आनंद को जाता है। पाँच बार विश्व शतरंज चैंपियन बनना और लंबे समय तक विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रहना उनकी असाधारण प्रतिभा, मानसिक दृढ़ता और समर्पण का सशक्त प्रमाण है। विश्वनाथन आनंद का जन्म 11 दिसम्बर 1969 को तमिलनाडु के मयिलादुथुरई में हुआ। उनके पिता कृष्णमूर्ति विश्वनाथन दक्षिण रेलवे के जनरल मैनेजर के पद पर सेवा दे चुके है। माता सुशीला गृहणी है। आनंद के बड़े भाई शिवकुमार क्रॉम्पटन ग्रीव्स

में मैनेजर हैं और उनकी बहन अनुराधा संयुक्त राज्य अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन में प्रोफ़ेसर है। आनंद की पत्नी का नाम अरुणा तथा बेटे का नाम आनंद अखिल है। विश्वनाथन आनंद का शतरंज से पहला परिचय महज़ छह वर्ष की उम्र में हुआ। उनकी माँ सुशीला आनंद ने घर में उन्हें शतरंज की शुरुआती चालें सिखाईं। परिवार की निकट पहचान वाली दीपा रामकृष्णन ने भी आनंद को शतरंज सिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

माँ के स्नेह और परिवार के प्रोत्साहन से विश्वनाथन आनंद की शतरंज यात्रा आगे बढ़ी, जो आगे चलकर उन्हें विश्व शतरंज के शिखर तक ले गई। आनंद ने पांच बार वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती है। आनंद की इस सफलता में उनकी मां सुशीला आनंद का बड़ा हाथ रहा है। मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण हवाई मार्ग अवरुद्ध हो गया था, जिससे विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद को बुल्गारिया की राजधानी सोफिया तक लगभग 40 घंटे का कठिन सड़क सफर करना पड़ा। यह यात्रा न केवल लंबी थी, बल्कि शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद थकाने वाली भी,लेकिन आनंद की खासियत यही रही कि उन्होंने इस थकान को अपने खेल पर हावी नहीं होने दिया। पूरी एकाग्रता और आत्मविश्वास के साथ उन्होंने मुकाबले में उतरकर बुल्गारिया के स्थानीय स्टार वेसलिन टोपालोव को 6.5 ऽ 5.5 अंकों से पराजित किया और विश्व खिताब पर अपना कब्जा बरकरार रखा। यह घटना वर्ष 2010 की है। जब बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में आयोजित होने वाली विश्व शतरंज चैंपियनशिप से ठीक कुछ दिन पहले हवाई यातायात पर प्रतिबंध लग गया था। यूरोप में छाए ज्वालामुखीय धुएँ के बादलों के कारण विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को निर्धारित तिथि पर उड़ान नहीं मिल सकी। इस असाधारण परिस्थिति को देखते हुए आनंद ने विश्व शतरंज महासंघ (फीडे) से टूर्नामेंट को तीन दिन के लिए स्थगित करने की मांग की थी, ताकि वे बिना अत्यधिक थकान के प्रतियोगिता में भाग ले सकें। हालांकि आयोजकों ने इस अनुरोध को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया और प्रतियोगिता को सिर्फ एक दिन के लिए ही टालने का निर्णय लिया। यह प्रसंग न केवल उस दौर की कठिन परिस्थितियों को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि किन विपरीत हालातों में आनंद ने विश्व मंच पर उतरकर अपने खिताब की रक्षा की। विश्वनाथन आनंद को आज पूरी दुनिया 'विशी आनंद' के नाम से जानती है। लेकिन यह जानना दिलचस्प है कि विशी उनका जन्म या पारिवारिक नाम नहीं है। उनका वास्तविक नाम आनंद है, जबकि विश्वनाथन उनके पिता का नाम है, जिसे दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुसार नाम के साथ जोड़ा जाता है।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा के खिलाफ पावरप्ले की कमजोरी को दूर करने की कोशिश करेगा न्यूजीलैंड

चेन्नई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में न्यूजीलैंड की कुछ कमजोरियां खुलकर सामने आ गई थी और उसकी टीम अब कनाडा के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के अपने अंतिम मैच में इन्हें दूर करने और सुपर आठ में जगह पक्की करने की कोशिश करेगा। विश्व कप से ठीक पहले भारत में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलने के बाद न्यूजीलैंड की टीम उपमहाद्वीप की परिस्थितियों से काफी हद तक अभ्यस्त होकर टूर्नामेंट में उतरी। अफगानिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ आसान जीत ने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया। लेकिन दक्षिण अफ्रीका की मजबूत टीम के खिलाफ उसे सात विकेट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस हार ने हर विभाग में, खासकर बल्लेबाजी में उसकी कमजोरियों को उजागर कर दिया। न्यूजीलैंड के लिए पावरप्ले की परेशानियां लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं, क्योंकि शुरुआती विकेट गिरने से लय बिगड़ जाती है और मध्य क्रम के बल्लेबाजों को पारी को संवारने का काम करना पड़ता है। न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम में अहम भूमिका निभाने वाले ऑलराउंडर रचिन रविंद्र की खराब फॉर्म भी टीम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। वह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे हैं। अब जबकि टूर्नामेंट अगले दौर में प्रवेश करने वाला है तो न्यूजीलैंड के टीम प्रबंधन उनके जल्दी लय में लौटने की उम्मीद कर रहा होगा। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डैरिल मिचेल ने कहा, ''हम 200 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए जो हम चाहते थे। मुझे लगता है कि गेंदबाजी में भी हमारा प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा जितना होना चाहिए था।'' तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट गए हैं और इसलिए इस मैच में नहीं खेलेंगे। काइल जैमीसन को उनकी जगह पर अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की संभावना है, जबकि लेग स्पिनर ईश सोढ़ी एक और रणनीतिक विकल्प बने रहेंगे। न्यूजीलैंड इस मैच में जीत हासिल करके सुपर आठ में अपनी जगह पक्की कर लेगा। दूसरी तरफ कनाडा की भी अपनी परेशानियां हैं। उसकी टीम दक्षिण अफ्रीका और यूएई के खिलाफ अपने दोनों मैच हारने के बाद अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। टूर्नामेंट से पहले प्रतिस्पर्धी मैचों का अनुभव न होने का असर उनके प्रदर्शन में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। उपमहाद्वीप की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना भी उनके लिए मुश्किल रहा है। यूएई से हार के बाद तेज गेंदबाज दिलोन हेइलिगर ने कहा था, ''हम यहां की तुलना में काफी कम तापमान में रहते हैं और हमारे पास क्रिकेट खेलने के लिए साल में केवल तीन महीने होते हैं। हम इनडोर अभ्यास करते हैं। इसलिए हमारे लिए यह थोड़ा मुश्किल है, लेकिन यह कोई बहाना नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया ने हेज़लवुड की जगह स्टीव स्मिथ को टीम में शामिल किया

पल्लीकल। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप के महत्वपूर्ण मैच से कुछ घंटे पहले सोमवार को चोटिल तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड की जगह बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को टीम में शामिल कर दिया। इस तरह स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम के 15वें सदस्य बन गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान में कहा, ''स्मिथ को पिंडली की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने वाले हेज़लवुड की जगह टीम में शामिल किया गया है। टीम के चिकित्सकों को उम्मीद थी कि वह (हेज़लवुड) टूर्नामेंट के अंतिम चरण में खेलने के लिए समय पर फिट हो जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। इससे पहले चोटिल कप्तान मिचेल मार्श के कवर के तौर पर स्मिथ को श्रीलंका भेजा गया था। मार्श ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती दोनों मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने हालांकि रविवार को टीम के साथ अभ्यास किया। स्मिथ ने पिछले साल फरवरी के बाद से कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, लेकिन घरेलू प्रतियोगिताओं में उन्होंने इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। जिम्बाब्वे से 23 रन की हार के बाद ऑस्ट्रेलिया का विश्व कप अभियान अधर में लटक गया है और उसे टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने से बचने के लिए सोमवार को श्रीलंका को हर हाल में हराना होगा।

एआई की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए ठोस प्रतिबद्धता जरूरी: नागेश्वरन

नयी दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने के लिए प्रौद्योगिकी को व्यापक रोजगार क्षमता के साथ जोड़ने की स्पष्ट प्रतिबद्धता जरूरी है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 को ऑनलाइन संबोधित करते हुए में नागेश्वरन ने कहा कि देशों को बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने, उच्च गुणवत्ता वाले कौशल विकसित करने, श्रम-प्रधान सेवा क्षेत्रों का विस्तार करने और नियामकीय अड़चनों को दूर करने जैसे निर्णायक कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि एआई को अपनाने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण जरूरी है और यह 'टीम इंडिया' का प्रयास होना चाहिए जिसमें निजी क्षेत्र, शिक्षाविदों व नीति-निर्माताओं की समान भागीदारी हो। उन्होंने कहा, '' अभी अवसरों की खिड़की खुली है लेकिन यह अनिश्चित काल तक नहीं रहेगी। हमें अभी कदम उठाने होंगे। सीईए ने एआई अपनाने में तात्कालिकता की जरूरत पर जोर दिया। नागेश्वरन ने कहा, '' भारत के लिए यह काम के भविष्य पर बहस नहीं है बल्कि वृद्धि एवं सामाजिक स्थिरता के भविष्य का फैसला है। उन्होंने कहा कि दूरदर्शिता, संस्थागत अनुशासन और निरंतर क्रियान्वयन के साथ भारत मानव संसाधन की वास्तविक प्रचुरता दिखाने वाला पहला बड़ा समाज बन सकता है। नागेश्वरन ने कहा कि हर साल लाखों नौकरियां उत्पन्न हो रही हैं, लेकिन कौशल का बड़ा अंतर बना हुआ है और कार्यबल का केवल छोटा हिस्सा ही औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर पाया है।

अजमतुल्लाह और जादरान ने अफगानिस्तान को यूएई पर पांच विकेट की जीत दिलाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। अजमतुल्लाह उमरजई के ऑलराउंड प्रदर्शन और सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान के अर्धशतक से अफगानिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में सोमवार को यहां यूएई को पांच विकेट से हराकर सुपर आठ में जगह बनाने की अपनी धुंधली उम्मीदों को जीवंत रखा। यूएई के 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने जादरान (53 रन, 41 गेंद, छह चौके, एक छक्का), दारविश रसूली (23 गेंद में 33 रन) और अजमतुल्लाह (21 गेंद में नाबाद 40 रन, तीन छक्के, दो चौके) की पारियों से 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाकर जीत दर्ज की। पहले दो मैच में शिकस्त झेलने वाले अफगानिस्तान के ग्रुप में अब दो अंक

हैं। यूएई के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका छह अंक के साथ सुपर आठ के लिए क्वालीफाई कर चुका है जबकि न्यूजीलैंड के चार अंक हैं। इन सभी टीम ने तीन-तीन मैच खेले हैं। यूएई की ओर से जुनैद सिद्दिकी ने 23 जबकि मोहम्मद अरफान ने 30 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। इससे पहले अजमतुल्लाह (15 रन पर चार विकेट) और मुजीब उर रहमान (31 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने यूएई की टीम नौ विकेट पर 160 रन ही बना सकी। शोएब खान ने 48 गेंद में चार छक्कों और छह चौकों से 68 रन की पारी खेलने के अलावा आलीशान शराफू (40) के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़कर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे अफगानिस्तान ने मैच की दूसरी ही गेंद पर रहमानुल्लाह गुरबाज (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने जुनैद की गेंद पर शोएब को कैच थमाया। जादरान ने चौथे ओवर में हैदर अली को निशाना बनाते हुए उनके ओवर में तीन चौकों और एक छक्के से 18 रन जुटाए। गुलबदिन नायब (13) ने भी मोहम्मद जवादुल्लाह पर छक्का और चौका मारा लेकिन अगले ओवर में मोहम्मद अरफान की गेंद को प्वाइंट पर हर्षिक कौशिक को कैच दे बैठे। अफगानिस्तान ने पावर प्ले में दो विकेट पर 41 रन बनाए। सेदिकुल्लाह अटल (16) ने अरफान पर चौके के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया और फिर अगले ओवर में सिमरनजीत सिंह पर छक्का जड़ा लेकिन जवादुल्लाह ने यॉर्कर पर उनके विकेट उखाड़ दिए। जादरान ने सिमरनजीत पर चौके और फिर दो रन के साथ 37 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसके बाद अरफान की गेंद पर यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम को कैच दे बैठे।

पाकिस्तान ने मैच पहली पारी में ही गंवा दिया था: वकार यूनिस

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप में 61 रन की करारी शिकस्त के बारे में कहा कि जब सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाए तो पाकिस्तान की टीम उसी समय इस मैच से बाहर हो गई थी। वकार ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, ''पाकिस्तान ने पहली पारी में ही मैच गंवा दिया। एक बार जब भारत ने 175 रन बना लिए तो मैच पाकिस्तान की पकड़ से बाहर हो गया था। गेंद स्पिन हो रही थी और सूर्यकुमार यादव ने गेंदबाजी में पूरी समझदारी से बदलाव किए। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान ने अपने स्पिन गेंदबाजों का उतना अच्छा इस्तेमाल किया जितना भारत ने किया। लेकिन मैच पहली पारी में ही खत्म हो गया था क्योंकि भारत ने बहुत ज्यादा रन बना लिए थे। हम सभी जानते हैं कि पाकिस्तान की बल्लेबाजी बहुत अच्छी नहीं है। लेकिन अगर भारत ने 175 की जगह 140 या 150 रन बनाए होते तो शायद स्थिति अलग होती। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन की 40 गेंदों में खेली गई तूफानी 77 रन की पारी और मध्य क्रम के उपयोगी योगदान से भारत ने बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में पाकिस्तान 18 ओवर में 114 रन पर आउट हो गया। वकार ने कहा, ''उन्होंने (सूर्यकुमार ने) हार्दिक पंड्या को शुरुआत में नई गेंद दी। जसप्रीत बुमराह ने हमेशा की तरह स्टंप्स को निशाना बनाकर तथा गेंद को स्विंग और सीम कर अच्छा प्रदर्शन किया। उसके बाद पाकिस्तान के लिए स्थिति बहुत मुश्किल हो गई। सलमान अली आगा ने उस्मान तारिक को जल्दी गेंदबाजी के लिए न बुलाकर स्थिति को मुश्किल बना दिया। उन्होंने कहा, ''तारिक ने शानदार प्रदर्शन किया, एक विकेट लिया और सिर्फ 24 रन दिए।

पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी का आईपीओ 24 फरवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 367-386 रुपये प्रति शेयर

मुंबई। पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 24 फरवरी को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए 26 फरवरी तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 367-386 रुपये प्रति शेयर तय किया है। 10 रुपये फ़ेस वैल्यू वाला यह आईपीओ 26 फरवरी को बंद होगा। कंपनी के शेयर बीएसई तथा एनएसई पर सूचीबद्ध होने के लिए प्रस्तावित हैं। पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी लिमिटेड के मुताबिक निवेशक इसमें निवेश के लिए कम से कम 32 इक्विटी शेयर और उसके बाद 32 इक्विटी शेयर के गुणक में बोली लगा सकते हैं।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में मामूली गिरावट, चांदी सात हजार रुपये तक टूटी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज दिन के पहले सत्र के कारोबार में सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है, जबकि चांदी के भाव में सात हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोने के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 1,57,740 रुपये से लेकर 1,57,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,44,590 रुपये से लेकर 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा

बाजार में आज 2,68,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,890 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जेके समूह ने दान किया दो कार्डियक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस, सांसद ने दिखाई हरी झण्डी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। कानपुर के प्रमुख उद्योगपति जेके समूह ने सोमवार को शहरवासियों को अकास्मिक सेवा के लिए दो एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस दान किया। इन एंबुलेंसों को शहर सांसद रमेश अवस्थी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कानपुर में जे.के. सीमेंट लिमिटेड ने आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को बुनियादी ढांचे और संसाधनों को मजबूत करने के उद्देश्य सीएसआर कार्यक्रम के तहत कानपुर सांसद रमेश अवस्थी के विशेष आग्रह को स्वीकार्य करते हुए जीवन रक्षक इनिशिएटिव की शुरुआत की है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर

सांसद रमेश अवस्थी ने शिरकत करते हुए कहा कि जेके सीमेंट समूह द्वारा उनके आग्रह पर कानपुरवासियों को अत्याधुनिक मेडिकल जनता को समर्पित की और कानपुर की जनता को राहत देने का काम किया इसके लिए जेके ग्रुप का आभार। सांसद रमेश अवस्थी ने बताया कि जेके सीमेंट के प्रबंध निदेशक राघवपत सिंघानिया से इस विषय पर दिल्ली में वार्ता हुई थी, जिस पर राघवपत सिंघानियाने दो माह का समय मांगा था और इस इनिसिएटिव को धरातल पर लाने का वादा किया था जो आज इनके द्वारा पूरा किया गया। बताते चले इस पहल के तहत प्री-हॉस्पिटल एमरजेंसी केयर की आवश्यकता को पूरा करने के लिए माउंटेन मेडिसिन सोसाइटी ऑफ इंडिया को दो अत्याधुनिक एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस दान की गई। एंबुलेंस सेवा की शुरुआत सांसद, जेके समूह परिवार, समस्त वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हरी झंडी के साथ की गई। इस दौरान जेके सीमेंट के प्रबंध निदेशक डॉक्टर राघवपत सिंघानिया, उप प्रबंधक निदेशक एवं मुख्य वित्त अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में मंडलायुक्त, केडीए वीसी, केडीए सचिव, सीएमओ समेत कई डाक्टर मौजूद रहे। रमेश अवस्थी ने कहा है कि जेके सीमेंट लिमिटेड जैसी स्थापित कंपनियां कॉर्पोरेट सिटिजनशिप का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। जेके समूह के द्वारा की गई यह पहल दर्शाती है कि मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी से सामुदायिक विकास को गति दी जा सकती है और उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मिशन को सुदृढ़ बनाया जा सकता है, जिससे राज्य के समग्र विकास में सहायता मिलेगी। प्रबंध निदेशक डॉ. राघवपत सिंघानिया ने कहा कि कानपुर हमारे लिए केवल संचालन का केंद्र नहीं, बल्कि हमारा घर है।

इंटरनेशनल साइबर क्राइम कॉन्फ्रेंस-2026 में पीयू की खुशी मिश्रा को द्वितीय पुरस्कार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। यूपी जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग की छात्रा एवं विश्वविद्यालय के साइबर क्लब की साइबर वॉलिंटियर खुशी मिश्रा ने इंटरनेशनल साइबर क्राइम कॉन्फ्रेंस 2026 के अंतर्गत आयोजित सीटीए रील चैलेंज 2026 प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि पर सोमवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर वंदना सिंह ने खुशी मिश्रा की रील की प्रशंसा करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी। कुलपति ने कहा कि छात्र-छात्राएं आगे भी इसी प्रकार सृजनात्मक एवं समाजोपयोगी कार्य करते रहें और विश्वविद्यालय का मान बढ़ाते रहें।यह प्रतियोगिता साइबर टेक्नो अटॉर्नीज एवं शिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अंतर्गत संपन्न हुई। सम्मेलन में साइबर अपराध, डिजिटल गोपनीयता, ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर कानून तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (इक्र) से जुड़ी नई चुनौतियों पर विशेषज्ञों द्वारा व्यापक विचार-विमर्श किया गया। कांफ्रेंस के आयोजक एवं साइबर विशेषज्ञ मोहम्मद हसन जैदी ने इस पुरस्कार की घोषणा की। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न भागों से 80 से अधिक रील प्रतियोगिता के लिए भेजे गए थे।सम्मेलन में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के सहायक आचार्य एवं साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर को विशेष व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने ह्लसामाजिक माध्यमों पर साइबर अपराध के उभरते रुझानः कारण, प्रभाव और रोकथाम के उपायङ्क विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्रा, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. अमित मिश्र, आनंद सिंह, पंकज सिंह सहित विभाग के अनेक विद्यार्थियों ने खुशी मिश्रा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रेलवे पार्सल से माल बुकिंग करने पर अपलोड और डिलीवरी का ग्राहकों को आएगा मैसेज

वाराणसी। रेलवे के पार्सल विभाग की ओर से माल अपलोड और डिलीवरी दोनों के ही मैसेज अब ग्राहक के मोबाइल फोन पर आएंगे। मैसेज ना आने पर ग्राहक अपनी शिकायत पार्सल विभाग को कर सकेंगे। यह जानकारी वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर पार्सल विभाग के लिपिक के.वी. मिश्रा ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन सुबह छह बजे से रात्रि 10 बजे तक ग्राहकों के माल की बुकिंग होती है। बुकिंग के तुरंत बाद ही माल को डिलीवरी करने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसमें माल को गंतव्य स्थान के लिए ट्रेन में चढ़ाने के बाद पहला मैसेज ग्राहक के मोबाइल पर जाता है।

औरैया में पुरहा नदी का पुनरुद्धार कार्य तेज, जून तक पूर्ण करने का लक्ष्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में छोटी नदियों के पुनरुद्धार अभियान के तहत पुरहा नदी के पुनर्जीवन का कार्य तेजी से प्रगति पर है। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी के आदेशानुसार इस महत्वपूर्ण परियोजना को गति दी गई है। जिलाधिकारी द्वारा सिंचाई विभाग को नोडल एजेंसी नामित किया गया है, जो कार्य की निगरानी और क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहा है। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी बताया कि जनपद में पुरहा नदी की कुल लंबाई 31 किलोमीटर है। इसमें से 13 किलोमीटर क्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा पुनरुद्धार कार्य पूर्ण कराया जा चुका है। शेष 18 किलोमीटर के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ज़िला गंगा समिति को उपलब्ध करा दी गई है। बजट आवंटन होते ही शेष भाग में भी कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि संपूर्ण कार्य जून 2026 तक पूर्ण करा लिया जाए। यह परियोजना प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी पहल नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देशन में राज्य स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा जनपद में इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी, अध्यक्ष, ज़िला गंगा समिति, औरैया द्वारा प्रत्येक माह समीक्षा बैठक आयोजित कर कार्य की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे परियोजना समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सके।

पुलिस ने 101 गुमशुदा मोबाइल बरामद कर मालिकों को लौटाए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश में जनपद कानपुर की कमिश्नरेट पुलिस ने साइबर सेल और थाना पुलिस की संयुक्त टीम के साथ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुमशुदा व चोरी हुए 101 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। ये सभी मोबाइल सीआर पोर्टल और यूपी कॉप ऐप पर दर्ज शिकायतों के आधार पर ट्रेस किए गए। बरामद किए गए मोबाइलों की अनुमानित बाजार कीमत करीब 25 लाख रुपये है। पुलिस उपायुक्त, पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने सोमवार को बताया कि सभी मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को विधिवत सुपुर्द किए गए। मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। कई नागरिकों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई और कार्यप्रणाली की खुलकर सराहना की। कार्यक्रम के दौरान एक महिला अपने मोबाइल वापस मिलने की खुशी में मिठाई लेकर पहुंची और वहां मौजूद सभी लोगों को मिठाई बांटी। यह दृश्य पुलिस के प्रति आमजन के बढ़ते विश्वास और संतोष को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन व्यक्ति के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। मोबाइल के गुम या चोरी हो जाने से लोगों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ निजी डाटा और संपर्कों के खोने का भी खतरा रहता है। ऐसे में मोबाइल बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाना पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेलः noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

औरैया में शिव पुराण कथा में जालंधर संहार वर्णन सुनने उमड़ा आस्था का सैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद की अजीतमल तहसील क्षेत्र के गांव जलूपुर में आयोजित पावन शिव पुराण कथा के छठें दिन सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा व्यास आचार्य रामसेवक तिवारी जी ने भावपूर्ण कथा विवेचन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य श्री ने बताया कि किस प्रकार भोले बाबा ने त्रिपुरासुर के तीनों महलों को भगवान गणेश की पूजा के प्रभाव से एक सीधी रेखा में स्थापित किया, जिससे उनका संहार संभव हो सका। उन्होंने जालंधर के जन्म का भी विस्तार से वर्णन किया। बताया कि कैसे समुद्र से उत्पन्न जालंधर, भगवान शिव के अंश से प्रकट हुआ और महालक्ष्मी का भाई बना। आगे बताया कि जालंधर ने अपने बल और अभिमान से देवताओं को अत्यंत परेशान किया तथा तीनों लोकों में आतंक मचाया। कथा में यह प्रसंग भी आया कि माता पार्वती की आज्ञा से भगवान विष्णु ने जालंधर की पत्नी वृंदा के साथ छल किया, जिससे जालंधर का अंत संभव हुआ और उसका उद्धार हुआ। आचार्य जी ने शंखचूर्ण की कथा का भी भावपूर्ण वर्णन किया। सुंदर भजनों की प्रस्तुति के साथ पूरा पंडाल भक्ति रस में डूब गया। कथा के अंत में तुलसी-शालिग्राम विवाह का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़े भाव से सहभागिता की। उपस्थित भक्त ज्ञान गंगा में गोता लगाते हुए आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति करते दिखाई दिए। आयोजन में राम प्रकाश गौर, लल्लू भदौरिया, ऋषि सेंगर, राजकमल, कल्लू भदौरिया, सोनू भदौरिया, कल्लू सेंगर, मुनेश्वर पाल, विनोद पाल, लल्लू पाल और शीलू पाल सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

नानाजी के कार्यों को नजदीकी से देखने के मिले कई अवसर : बृजभूषण शरण सिंह

- पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने चित्रकूट के सियाराम कुटीर पहुंचकर नानाजी को दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

चित्रकूट। नानाजी अक्सर कहा करते थे जिस दिन गांव जाग जाएंगे, उस दिन दुनिया जाग जाएगी। वह ऐसा अपने राजनीतिक अनुभव, सामाजिक दृष्टिकोण से कहा करते थे। उन्होंने कहा ही नहीं करके भी दिखाया। उत्तर प्रदेश के गोंडा जनपद से शुरू की गई उनकी सामाजिक यात्रा में समाज मूलक कार्यों को नजदीकी से देखने का अवसर मुझे कई बार मिला है। श्रद्धेय नानाजी अब हमारे बीच नहीं हैं लेकिन विचार के रूप में वह आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। सियाराम कुटीर आकर आज पुनः पुरानी यादें ताजा हो गईं। यह बातें पूर्व सांसद एवं पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कही। बृजभूषण शरण सिंह सोमवार को भारत रत्न नानाजी देशमुख के चित्रकूट स्थित आवास सियाराम कुटीर पहुंचे। इस दौरान पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने नानाजी देशमुख के कक्ष में पहुंचकर उनको श्रद्धा पुष्प अर्पित की और उनके साथ बिताए पलों को याद करते हुए भाव विभोर हो गए।उन्होंने कुछ देर नानाजी के कक्ष में ही बैठकर बिताए और उन पलों को याद करते हुए अपनी चिर-स्मृतियां साझा किए। उन्होंने बताया कि नानाजी का कार्य यज्ञ की तरह है, उनको देखकर एक विशेष ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी जब गोंडा आए थे, तब उस समय वे भी गोंडा में नानाजी के कार्यों के प्रत्यक्षदर्शी रहे हैं। नानाजी के स्वाबलंबन कार्यों को बहुत नजदीक से देखने का अवसर कई बार मिला है। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि नानाजी का व्यक्तित्व बहुत विराट रहा है। उनसे जितनी बार भी मिलो, हर बार एक नया अनुभव मिला। भारत रत्न नानाजी देशमुख ने गांव के मर्म को समझा और वहां रहने वाले लोगों के पुरुषार्थ को जगाने का काम किया। उन्हें अपना काम अपने आप करो की सीख देकर इस लायक बना दिया कि आज उनका हुनर सीखने के लिए दुनिया भर के लोग आ रहे हैं, जिन्हें यह सब देखना गंवारा नहीं था।

वाराणसी : बम से उड़ाने की धमकी पर कचहरी परिसर में चला सघन चेकिंग अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। दो दिन पहले जिला जज के आधिकारिक ईमेल पर कचहरी परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को कचहरी खुलते ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। दो दिन अवकाश के बाद आज कार्यदिवस पर पूरे न्यायालय परिसर में डॉग स्क्वायड एवं बम डिस्पोजल दस्ते ने सघन छानबीन की। धमकी के बाद कैंट क्षेत्र के एसीपी के नेतृत्व में थाना प्रभारी और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में डॉग स्क्वॉड तथा बम निरोधक दस्ता ने परिसर की गहन तलाशी ली। न्यायालय परिसर के प्रवेश द्वारों से लेकर विभिन्न भवनों और पार्किंग क्षेत्र तक सुरक्षा एजेंसियों ने बारीकी से जांच की। पुलिस अधिकारियों ने परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। कैंट थाना प्रभारी ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पूर्वाह्न 10:30 बजे से एसीपी कैंट के नेतृत्व में सर्च अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान बम डिस्पोजल टीम और डॉग स्क्वॉड की मौजूदगी रही। दरअसल, गुरुवार देर रात लगभग 1:30 बजे जिला जज के आधिकारिक ईमेल पर कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी भरा संदेश मिला था। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और एहतियातन परिसर को खाली कराकर तलाशी अभियान चलाया गया था। इससे पहले एसटीएफ और एटीएस की टीमों ने भी न्यायालय परिसर में जांच-पड़ताल की थी। जिला जज संजीव शुक्ला ने सुरक्षा की दृष्टि से अधिवक्ताओं और अन्य संबंधित लोगों से परिसर खाली करने का अनुरोध किया था। फिलहाल पुलिस प्रशासन पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुटा है और न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है।

सिम 5जी करने के नाम पर महिला से 24.86 लाख की ठगी, साइबर क्राइम थाना में केस दर्ज

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक महिला से साइबर ठग ने मोबाइल फोन का सिम 4जी से 5जी करने के नाम पर 24 लाख से अधिक की रकम ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में महिला के पति ने बीती रात रविवार को साइबर क्राइम थाना में तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने सोमवार को बताया कि बीती रात सेक्टर 82 निवासी इंद्रजीत चटर्जी ने साइबर क्राइम थाने में तहरीर दी। जिसमें बताया गया कि उनकी पत्नी अनंदिता के पास 4 फरवरी को मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने उनसे कहा कि वह एयरटेल कंपनी से बोल रहा है। उसने पत्नी से मोबाइल फोन का सिम 4जी से 5जी में अपग्रेड कराने की बात की। पत्नी ने हामी भर दी। इसके बाद कॉल करने वाले ने एयरटेल कंपनी का अधिकारी बनकर एक रिक्वेस्ट भेज दिया गया। अगले दिन फिर उसका कॉल आया तो उनकी पत्नी ने कहा कि उनका सिम अपग्रेड नहीं हुआ है। इस पर कॉल करने वाले कहा कि इसके लिए ई-सिम कराना जरूरी है और आपका मोबाइल फोन 24 घंटे के लिए बंद रहेगा। जब उनकी पत्नी ने सवाल उठाया तो उसने कहा कि यह जरूरी है। पीड़ित की ओर से दी तहरीर में बताया गया कि 24 घंटे बाद भी उनकी पत्नी का मोबाइल फोन इनएक्टिव रहा। उसने 5 फरवरी को कॉल किया। जब उनकी पत्नी ने पूछा तो उसने (साइबर ठग) कहा कि कुछ टेक्निकल प्रॉब्लम है।

वाराणसी : शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शुरु की आनलाइन धर्म परीक्षा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। ज्योतिष्पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने सनातन धर्म के संरक्षण के लिए एक अद्वितीय आत्म जागरण पहल ऑनलाइन धर्म परीक्षा (क्विज़) शुरू की है। हिन्दू समाज में व्याप्त आत्म-मोह एवं धर्म-विषयक अस्पष्टता को दूर करने के लिए धर्म परीक्षा में असली एवं नकली हिन्दू की स्पष्ट पहचान का संदेश है। सोमवार को यह जानकारी केदारघाट स्थित श्रीविद्यामठ के प्रवक्ता संजय पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि धर्म परीक्षा अभियान की मुख्य विशेषता है कि यह स्व-मूल्यांकन का दर्पण है। यह क्विज़ समाज के लिए एक साक्षात दर्पण के समान है, जहाँ कोई बाह्य परीक्षक नहीं होता, बल्कि व्यक्ति का अपना अंतर्मन ही न्यायाधीश की भूमिका निभाता है। शंकराचार्य के मार्गदर्शन में यह प्रयास प्रत्येक सनातनी को आत्म-विश्लेषण का दुर्लभ अवसर प्रदान करता है। परीक्षा के प्रश्न सनातन मूल्यों, आचरण, नैतिकता, गौ-संरक्षण, राष्ट्र-भक्ति और शास्त्र-सम्मत विश्वास जैसे विषयों पर आधारित हैं। इस क्विज़ का उद्देश्य केवल ज्ञान की जाँच करना नहीं, बल्कि आचरण में सुधार और धर्म के प्रति दृढ़ संकल्प को प्रेरित करना है। शंकराचार्य महाराज का संदेश है कि यह दर्पण असली एवं नकली हिन्दू की स्पष्ट पहचान करने और समाज में सच्चे धर्माचरण के प्रसार के लिए रखा गया है। अब तक हजारों श्रद्धालु इस परीक्षा में भाग ले चुके हैं और अनेक प्रतिभागियों ने पूर्ण अंक प्राप्त कर 'सत्य-सनातनी' होने का गौरव अर्जित किया है। सभी सनातन-प्रेमियों, युवा पीढ़ी और धर्म-सेवियों से अपील है कि वे इस पवित्र परीक्षा में भाग लेकर स्वयं को परखें और अपनी कमियों को दूर करें।